दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जब सत्ता बोलने से पहले अनुमति मांगने लगे और सच मुस्कराकर चुप हो जाए, तब समझिए लोकतंत्र को आवाज़ नहीं, साहस की ज़रूरत है।'

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-36 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 26 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'मंच, माइक और पर्ची : राजस्थान की राजनीति में अनकहा विद्रोह'

राजनीति कभी-कभी अपने आप में ऐसा दृश्य रच देती है, जो किसी व्यंग्यकार की कलम से नहीं, बल्कि सत्ता के मंच से जन्म लेता है। राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर क्षेत्र में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का वह एक वाक्य– 'अब पर्ची आ गई, मेरे को बैठना पड़ेगा '–सिर्फ एक क्षणिक संवाद नहीं रहा, बल्कि उसने पूरे प्रदेश की राजनीतिक कार्यशैली पर एक तीखा प्रश्नचिह्न लगा दिया। यह वाक्य जितना हल्का सुनाई देता है, उतना ही भारी संदेश अपने भीतर समेटे हुए है। यह एक मंत्री की बेबसी भी है, सत्ता के भीतर पनप रही असहजता भी और उस अदृश्य तंत्र की स्वीकारोक्ति भी, जो लोकतंत्र को 'निर्देशित व्यवस्था' में बदलता जा रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

राजस्थान की राजनीति में 'पर्ची शासन' शब्द कोई नया नहीं है, लेकिन जब सत्ता के भीतर बैठा मंत्री सार्वजनिक मंच से इस शब्द को जीवंत कर दे, तो मामला केवल विपक्षी आरोपों तक सीमित नहीं रहता। यह स्वयं सरकार के अंदर से उठी वह आवाज़ है, जो यह बताती है कि निर्णय लेने की शक्ति कहीं और केंद्रित हो चुकी है। लोकतंत्र में मंत्री बोलता है, सरकार बोलती है, लेकिन जब पर्ची बोलने लगे और जनप्रतिनिधि बैठ जाए, तो यह समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था का संतुलन गड़बड़ा चुका है। तकनीकी रूप से देखा जाए तो यह पर्ची कार्यक्रम के समय-सारिणी या औपचारिक निर्देश से जुड़ी हो सकती है, और स्वयं मंत्री भी पहले स्पष्ट कर चुके हैं कि वह आयोजन संबंधी सूचना थी। लेकिन राजनीति में शब्द केवल अपने शाब्दिक अर्थ में नहीं बोले जाते, वे अपने पीछे एक पूरा संदर्भ, इतिहास और मनोदशा लेकर आते हैं। यही कारण है कि यह एक वाक्य राजस्थान की मौजूदा शासन शैली का प्रतीक बनकर सामने आ गया।यह बात किसी से छिपी नहीं है कि किरोड़ी लाल मीणा लंबे समय से अपनी ही सरकार की कार्यशैली को लेकर असहजता और नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। कभी प्रशासनिक फैसलों पर सवाल, कभी जनहित के मुद्दों पर खुली टिप्पणी–उनके बयान अक्सर यह संकेत देते रहे हैं कि सत्ता के भीतर सब कुछ सहज और संतुलित नहीं है। ऐसे में जब मंच पर 'पर्ची' का जिक्र हुआ, तो वह केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं रहा, बल्कि उस अदृश्य तंत्र का प्रतीक बन गया, जिसे आम भाषा में 'पर्ची शासन' कहा जाने लगा है।

राजस्थान की राजनीति में यह शब्द नया नहीं है, लेकिन अब यह आरोपों से निकलकर सत्ता के मंच पर खुद को व्यक्त करने लगा है। लोकतंत्र में मंत्री जनता से संवाद करता है, योजनाओं का बखान करता है, जवाबदेह होता है। लेकिन जब मंत्री यह संकेत दे कि उसे कब बोलना है और कब बैठना है, यह भी किसी पर्ची से तय हो रहा है, तो लोकतंत्र की आत्मा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह वही स्थिति है, जिसे कवि ने वर्षों पहले कहा था–

'खैर खुशी खासी बैर प्रीत मत पान।
यह छुपाए न छुपी जानत सकल जहान।'

अर्थात भीतर का भाव कितना भी छुपाने की कोशिश की जाए, वह किसी न किसी रूप में बाहर आ ही जाता है।

राजस्थान की मौजूदा शासन व्यवस्था में यही 'छुपी हुई जान' बार-बार सामने आती दिख रही है। ग्राम पंचायतों से लेकर नगर निकायों तक, परिसीमन से लेकर वित्तीय अधिकारों तक, हर जगह यह भावना पनप रही है कि निर्णय ऊपर से थोपे जा रहे हैं। पंचायत राज, जिसे लोकतंत्र की जड़ कहा जाता था, आज खुद अपनी जड़ों की तलाश में भटकता नजर आता है। सरपंचों का कार्यकाल खत्म हो चुका है, प्रशासक बैठे हैं, लेकिन फाइनेंस कमीशन की राशि समय पर नहीं पहुंच रही। विकास की योजनाएं कागजों में हैं, जमीन पर सन्नाटा है।

सरकार उद्घाटन, यात्राओं और बड़े आयोजनों में व्यस्त है, जबकि जमीनी हकीकत में योजनाएं दम तोड़ती दिखाई दे रही हैं। पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं को या तो नाम बदलकर पेश किया जा रहा है या इस तरह संशोधित किया जा रहा है कि उनकी मूल आत्मा ही समाप्त हो जाए। जनता के लिए यह सब केवल आंकड़ों और घोषणाओं का खेल बनकर रह गया है। ऐसे माहौल में विपक्ष के आरोप स्वाभाविक हैं, लेकिन असली चिंता तब पैदा होती है जब सत्ता के भीतर से भी असंतोष की आवाजें निकलने लगें। किरोड़ी लाल मीणा का बयान उसी अंदरूनी असंतोष का अनायास फिसला हुआ शब्द लगता है। यह कोई औपचारिक विरोध नहीं था, न ही कोई योजनाबद्ध हमला, लेकिन राजनीति में कभी-कभी सबसे तीखी चोट वही होती है, जो अनायास लग जाती है। यह बयान बताता है कि सरकार के भीतर लोकतांत्रिक स्पेस सिकुड़ रहा है और निर्णयों का केंद्रीकरण बढ़ता जा रहा है। ब्यूरोक्रेसी का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि जनप्रतिनिधि खुद को हाशिये पर महसूस करने लगे हैं–ऐसी धारणा जनता के बीच भी तेजी से बन रही है। व्यंग्य की ताकत यही है कि वह बिना नारा लगाए व्यवस्था को आईना दिखा देता है। 'पर्ची आ गई' वाला वाक्य भी उसी आईने की तरह है, जिसमें सत्ता को अपना प्रतिबिंब दिख रहा है। सवाल यह नहीं है कि पर्ची कार्यक्रम की थी या नहीं, सवाल यह है कि जनता ने उसमें क्या पढ़ा। और जनता ने उसमें वही पढ़ा, जो वह पिछले कुछ समय से महसूस कर रही है–कि लोकतंत्र निर्देशों में सिमटता जा रहा है और संवाद कम होता जा रहा है। अगर सरकार इस पूरे प्रसंग को केवल एक मजाक या गलत व्याख्या मानकर आगे बढ़ जाती है, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल होगी। यह समय आत्ममंथन का है। यह सोचने का समय है कि क्या शासन व्यवस्था जनता के भरोसे चल रही है या फाइलों, नोट्स और पर्चियों के इशारों पर। लोकतंत्र में ताकत का स्रोत जनता होती है, न कि अदृश्य निर्देश।

राजस्थान की राजनीति आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां व्यंग्य केवल मनोरंजन नहीं, चेतावनी है। किरोड़ी लाल मीणा का एक वाक्य इसे चेतावनी को मुखर कर गया। अब यह सरकार पर निर्भर है कि वह इसे हल्के में लेती है या इसे लोकतांत्रिक सुधार का अवसर मानती है। क्योंकि इतिहास गवाह है–जब सत्ता जनता की आवाज से दूर जाती है, तो एक दिन जनता सत्ता से दूर हो जाती है। और तब पर्चियां नहीं, जनादेश बोलता है। क्योंकि सत्ता को यह समझना होगा कि लोकतंत्र आदेश से नहीं, विश्वास से चलता है। जनता केवल योजनाओं के नाम नहीं, उनके प्रभाव को देखती है। और जब उसे लगता है कि व्यवस्था उसकी पहुंच से दूर होती जा रही है, तो असंतोष शब्दों, इशारों और व्यंग्य में बाहर आने लगता है। 'पर्ची आ गई' कोई सामान्य वाक्य नहीं रहा। यह उस सन्नाटे की आवाज बन गया है, जो जनता और सत्ता के बीच पसर रहा है। सरकार चाहे तो इसे एक क्षणिक घटना मानकर भूल जाए, लेकिन इतिहास बताता है कि ऐसे क्षण ही बड़े बदलावों की भूमिका बनते हैं। अंततः लोकतंत्र में आखिरी पर्ची जनता के हाथ में होती है–मतपत्र की पर्ची। जब वही बोलती है, तो न मंच काम आता है, न माइक और न ही कोई निर्देश। तब केवल जनादेश बोलता है, और वही तय करता है कि सत्ता सच में जनता की है या केवल पर्चियों की।

कैबिनेट मंत्री से राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया बोलेः
जिन सरकारी स्कूलों में बच्चों की खराब परफॉमेंस, वहां से टीचर को भगाओ; हंसते रहे खराड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज

उदयपुर । पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी से कहा- मंत्री महोदय कहां हो, क्या हो रहा है? हमारे टीचर क्या कर रहे है? जहां-जहां भी स्कूलों में रिजल्ट खराब है, वहां से उनको भगाओ। इस दौरान जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी हंसते रहे। गुलाबचंद कटारिया गुरुवार को उदयपुर के टाउनहॉल में सुंदर सिंह भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मान समारोह में पहुंचे थे।

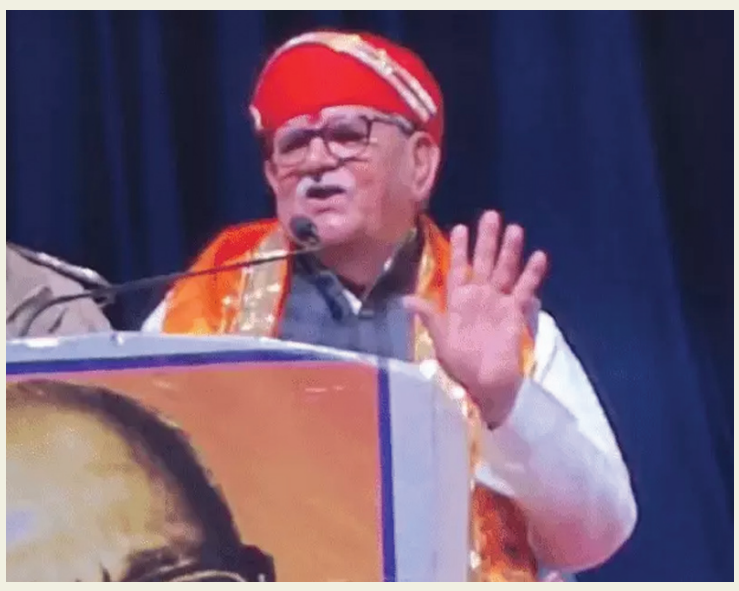

इनके भविष्य के लिए हर संभव मदद करेंगे

कटारिया ने कहा- बच्चों का परिश्रम सबको प्रेरणा देता है। आज भी गांवों में समर्पित शिक्षक हैं। सरकारी विद्यालयों से पढ़कर 95 और 99 प्रतिशत नंबर तक लाने वाले बच्चे भी हमारे जिले में हैं। इन्हीं क्षेत्रों में अब

आदिवासी बेटियां इतने नंबर प्राप्त कर रही हैं, ये हमारी प्रतिभा है। कटारिया ने कहा कि इन बच्चों को निखारने के लिए जो भी मदद चाहिए, उसके लिए जमकर कोशिश करेंगे और इनका भविष्य अच्छे से अच्छा बनाने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए पहले खुद को बदलना होगा।

झाड़ोल से सिर्फ 2 बच्चे क्यों? क्या कर रहे हैं आप?

कटारिया सम्मान समारोह में उदयपुर जिले के अलग-अलग विधानसभाओं के सरकारी स्कूलों में 90 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों के आंकड़े बता रहे थे, तभी उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि झाड़ोल क्षेत्र से सिर्फ 2 बच्चे ही हैं, ये टीचर क्या कर रहे हैं? सुंदर सिंह भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मान समारोह में गुलाबचंद कटारिया समेत अतिथियों ने 390 विद्यार्थियों और 33 संस्था प्रधान को सम्मानित किया। इसमें सर्वाधिक (107) विद्यार्थी वल्लभनगर विधानसभा से थे और सबसे कम विद्यार्थी झाड़ोल से थे। इस दौरान ष्ठ॥ मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद मन्नालाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, शांता मीणा, प्रताप गमेती और उदयलाल डांगी मौजूद थे।

वीआईपी एरिया में एंट्री न मिलने पर भड़के कर्मचारी

टाउन हॉल में कार्यक्रम के बाद राज्यपाल और मंत्रियों के साथ भोजन के लिए जा रहे कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को एंट्री के दौरान टोकने पर विवाद हो गया। आयोजन से जुड़े लोगों और पदाधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई।

इसके बाद कर्मचारी नेता कमल बाबेल के साथ एक दर्जन लोगों ने इसका विरोध जताया और नाराज होकर वहां से चले गए। बताया जा रहा है कि बाबेल समेत अन्य लोग भी वहां अलग से बनाए गए वीआईपी एरिया में जाना चाह रहे थे।

सीन आफ क्राइम, फतेहाबाद के इंचार्ज वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ जोगिंदर सिंह ने पुनः लिया चार्ज

डॉ जोगिंदर सिंह ने कहा सत्यमेव जयते

किसी कथित विवाद के चलते बेवजह शिकार बने थे, जांच के बाद निर्दोष पाये जाने पर पुनः हुए बहाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद जिले के सीन आफ क्राइम के इंचार्ज वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ जोगिंदर सिंह लगभग छः: महिने पहले जिला फतेहाबाद पुलिस के किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से किसी बात को लेकर कथित आपसी विवाद के चलते विवाद काफी खुलकर सामने आया जिस पर स्थानीय पुलिस अधिकारी ने सीन आफ क्राइम के डायरेक्टर को कथित शिकायत भेजी जिसके चलते पिछले काफी दिनों से डाक्टर जोगिंदर सिंह सस्पेंड चल रहे थे तथा उन्हें एफ एस एल मधुवन स्थांतरित कर दिया था परंतु डॉ जोगिंदर सिंह ने हर परिस्थितियों का सामना करते हुए सच्चाई को सामने लाने का पूरा प्रयास किया जिसमें वे हर तरह से कामयाब भी रहे आखिरकार सीन आफ क्राइम के उच्च अधिकारियों ने डॉ जोगिंदर सिंह को पूर्व में दी गई शिकायत में निर्दोष पाया और पुनः बहाली के लिखित आदेश जारी कर डॉ जोगिंदर सिंह को फतेहाबाद जिले में ही सीन आफ क्राइम के इंचार्ज पद पर पुनः नियुक्त कर दिया। पुनः नियुक्त किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया जारी करते हुए कहा कि मैं पहले भी निर्दोष था और अब भी कह रहा हूं कि मेरे खिलाफ साज़िश रच कर मेरा निलंबन करवाया गया था परंतु सत्यमेव जयते।

महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवसः श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

उपखंड क्षेत्र के फौलादपुर बस स्टैंड पर गुरुवार देर शाम महान योद्धा एवं कुशल शासक महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाज के गणमान्य लोगों के सानिध्य में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर महाराजा सूरजमल के बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जोगिंदर औला, सोनू यादव एवं लीलू प्रधान मौजूद रहे। कार्यक्रम में भूपेंद्र चौधरी, दीपेश चौधरी, परमजीत चौधरी, भवानी मास्टर सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वक्ताओं ने महाराजा सूरजमल के अदम्य साहस, शौर्य और समाज के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में करण सिंह चौधरी, अतर सिंह चौधरी, सुबे सिंह चौधरी, घासीराम चौधरी, श्रीराम चौधरी, आजाद चौधरी, धर्मेंद्र पंच, महेंद्र चौधरी, बिट्टू चौधरी, संदीप चौधरी, राजकुमार यादव, नथू सिंह, जितेंद्र यादव, अनिल चौधरी, दीपक चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन महाराजा सूरजमल को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का 26वा वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का मूल मंत्र राष्ट्र प्रथम के भाव से ओत प्रोत 26वा वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में आर्मी सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में 19 दिसंबर से विधिवत शुरू होकर 21 दिसंबर को समापन हुआ। अधिवेशन का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष लेप्टिनेट जनरल विष्णु कांत चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे तथा विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार में सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्य वर्धन सिंह राठौड़ थे। वार्षिक अधिवेशन में देश के सभी राज्यों व प्रांतों से संगठन के पदाधिकारी पहुंचे। अधिवेशन में पूर्व सैनिकों के विभिन्न मुद्दों के साथ वर्तमान परिपेक्ष्य में देश की आंतरिक सुरक्षा में पूर्व सैनिकों की भूमिका, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वच्छता आदि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने परिषद की किताब 'रण बांकुरे स्मारिका' का विमोचन किया तथा मंत्री कर्नल राज्य वर्धन सिंह राठौड़ न परिषद की मासिक पत्रिका ' सैन्य संदेश' का विमोचन किया। परिषद चिड़ावा ईकाई से सूबेदार मेजर राम किशन डारा अध्यक्ष, कैप्टन कुलदीप सिंह मान संयोजक, नायब सूबेदार जय सिंह बराला सचिव, हवलदार शेर सिंह नेहरा शामिल हुए। अंत में 21 दिसम्बर को सांय प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल अनुज माथुर ने सभी आए हुए मेहमानों का आभार जताया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

सुशासन दिवस के अवसर पर संभागीय आयुक्त श्री विश्राम मीणा ने दिलाई शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती के अवसर पर गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय में सुशासन की शपथ ली गई। इस दौरान अधिकारियों ने स्व. बाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि 'सुशासन दिवस' प्रत्येक कार्मिक को उनके कर्त्तव्यों की पालना की सीख देता है। लोकसेवक होने के नाते प्रत्येक कार्मिक को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता और जिम्मेदारी से करना चाहिए। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने सुशासन की शपथ दिलाई। इस दौरान अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह, संस्थापक अधिकारी चेतन आचार्य सहित संभागीय आयुक्त कार्यालय की कार्मिक मौजूद रहें।

नीमराना क्रिकेट कप 2025 का भव्य शुभारंभः खेल भावना और भाईचारे का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । यह नीमराना कस्बे के प्राचीन तालाब ग्राउंड पर आदर्श कला रंग मंच के तत्वावधान में नीमराना क्रिकेट कप 2025 प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। डॉ. गजराज यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और खेल कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सचखंड हॉस्पिटल के निर्देशक डॉ. गजराज यादव ने खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, साथ ही खेल भावना आपसी भाईचारे को मजबूत बनाती है। डॉ. यादव ने खिलाड़ियों से अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आहान किया। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला जाट बहरोड़ क्लब और बिचपुरी की टीमों के बीच खेला गया। बिचपुरी की टीम ने बैटिंग करते हुए तीन विकेट खोकर 110 रन बनाए इसके जवाब में जाट करोड़ की टीम 36 पर ऑल आउट हो गई इस तरह यह पहला मैच बिचपुरी की टीम ने जीता दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमों ने भाग लिया है। विजेता टीम को 21 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी।इस दौरान अधिशासी अभियन्ता विष्णु दत्त गुर्जर, साफाई निरीक्षक मनोहर लाल सैनी, आदर्श कला रंग मंच के अध्यक्ष मुकेश कुमार जांगिड़, कर्मपाल सिंह चौहान, अध्यापक सुनील शर्मा, शिक्षाविद दिनेश शर्मा, घीसाराम मुद्गल, प्रकाश जांगिड़, यशवीर चौहान, दिनेश चौधरी, भूपेंद्र चौहान, भारत लाल उपस्थित रहे।

चिड़ावा नगरपालिका में धूमधाम से मनाई गई अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती, सुशासन की ली शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

नगर पालिका परिसर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पालिका स्टाफ और कर्मचारियों ने उनके छायाचित्र पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर उन्हें याद किया और इस दिन को 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया। पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी नगरपालिका कर्मियों को अपने कर्तव्य के प्रति पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी बरतने की शपथ दिलाई गई। उपाध्यक्ष बडेसरा ने अटल के सुशासन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर पालिका कर्मियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जेईएन आकाश जांगिड़, दीपक जांगिड़, नरेंद्र सिंह शेखावत, राजकुमार शर्मा, नितेश, पूनम, अनिल, आनंद, नरेंद्र, सलीम, कृष्ण सिंह, पूनम निर्मल कौर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि अटल का व्यक्तित्व और उनके द्वारा स्थापित सुशासन के आदर्श सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

इन दर्द का आपके इमोशन से है गहरा नाता

जरूरी नहीं कि हमेशा लाइफ में सब आपके मन का हो। उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा है। लेकिन कई बार आप सकारात्मक सोच से दूर नकारात्मक भावनाओं में हिचकोले खाने लगते हैं। सब कुछ अच्छा चल रहा हो और आप धीरे-धीरे किसी और दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां से निकलना आसान न हो। यही इमोशनल पेन कई दुख का कारण है। लेकिन यह इमोशनल पेन कई बार फिजिकल पेन का भी कारण बनता है। भावनाओं का असर आपके शरीर पर भी होता है।

जरूरी नहीं कि हमेशा लाइफ में सब आपके मन का हो। उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा है। लेकिन कई बार आप सकारात्मक सोच से दूर नकारात्मक भावनाओं में हिचकोले खाने लगते हैं। सब कुछ अच्छा चल रहा हो और आप धीरे-धीरे किसी और दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां से निकलना आसान न हो।यही इमोशनल पेन कई दुख का कारण है। लेकिन यह इमोशनल पेन कई बार फिजिकल पेन का भी कारण बनता है। भावनाओं का असर आपके शरीर पर भी होता है।अलग-अलग भावनाओं के साथ आपको ये 8 तरह के फिजिकल पेन अनुभव हो सकते हैं-

सिर दर्द- सिर में बहुत तेज दर्द है तो यह आम संकेत है आपके बहुत ज्यादा तनाव में होने का। अच्छा होगा आप वो चीजें करना शुरू करें जो आपको अच्छी लगती है। इससे बचने के लिए आप प्रकृति के बीच टहल सकते हैं, किताब पढ़ सकते हैं, पेंटिंग, एक्सरसाइड जैसी एक्टिविटी तनाव दूर करने के लिए कर सकते हैं।

गर्दन दर्द- इस तरह का दर्द तब होता है जब आप किन्हीं चीजों को छोड़ने या लोगों को माफ करने में परेशानी का अनुभव कर रहे हों। यह अच्छा होगा कि आप समझें कि कोई भी परफेक्ट नहीं है और हर कोई गलती करता है। लोगों को प्यार की नजर से देखना शुरू करें। यह ध्यान रखें कि अगर आपसे गलती होती है, तो दूसरों से भी हो सकती है।

कंधे का दर्द- कंधे का दर्द एक आम संकेत है कि आप किसी इमोशनल ब्लॉकेज से गुजर रहे हैं और यह आपको अंदर ही अंदर जला रहा है। अंदर से कुछ आपको परेशान कर रहा है और आप इसे नजरअंदाज कर रहे हों। आपको समस्या का असली कारण जानना चाहिए जो आपको परेशान कर रहा है। तभी आपको समस्या का हल मिल पाएगा।

पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द-अगर आप पीठ के ऊपरी हिस्से में दर्द का अनुभव कर रहे हैं तो यह आमतौर पर इमोशनल सपोर्ट न मिल पाने के कारण है। इससे अकेलापन, खुद को अप्रिय या नाचीज महसूस कर रहे होंगे। ऐसे समय में आपको उन लोगों से जुड़ने की कोशिश करना चाहिए जो आपके करीबी हो। अगर आप सिंगल है तो समय निकालकर नए लोगों से मिलें।

पीठ के निचले हिस्से में दर्द- अगर आपको अपनी आर्थिक स्थिति की चिंता है तो आप पीठ के निचले हिस्से में दर्द महसूस करेंगे। आर्थिक संकट या पैसों से जुड़ा मामल वास्तव में टची होताहै लेकिन आपको आपके फाइनेंस को कंट्रोल करना चाहिए और पैसों को ज्यादा सावधानी से मैनेज करने की कोशिश करना चाहिए या फिर आप फाइनेंशियल एक्सपर्ट से भी सलाह ले सकते हैं।

कोहनी में दर्द- कोहनी का दर्द बताता है कि आपकी अपने जिंदगी के प्रति अधिक कठोर है और नियोजित तरीका अपनाते हैं। लेकिन इस तरह का दर्द संकेत है कि आप बदलाव के लिए तैयार नहीं है। अच्छा तो यह है कि आप जीवन में समय-समय पर चीजों को बदलें। इससे आप बदलाव के लिए तैयार हो पाएंगे और किसी भी अप्रत्याशित आश्चर्य के आदी होंगे।

हाथों में दर्द-हाथ में दर्द संकेत हो सकता है कि आप जैसे लोगों से जुड़ना चाहते हैं वैसे जुड़ नहीं पा रहे हैं। बाहर जाना और नई लोगों से मिलना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब नहीं कि पुराने दोस्तों को भूल जाएं। यह जरूरी है कि पुराने रिश्तों को फिर से जिएं।

कूल्हों का दर्द - चूंकि कूल्हे आपके पैरों से जुड़े होते हैं तो यह दर्द संकेत देता है कि आप आगे बढ़ने में डरते हैं। यहां शारीरिक रूप से आगे बढ़ने की बात नहीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के डर की बात है। आपको समझना होगा कि वे लोग जीवन में ऊंचाइयां छू पाए जिन्होंने जोखिम उठाया। कंफर्ट जोन से निकलना जरूरी है।

भोजन में को-एंज़ाइम

डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन

एंज़ाइम ऐसे प्रोटीन होते हैं जो कोशिका में अभिक्रियाओं को उत्प्रेरित करते हैं, इससे चयापचय कुशलता से होता है। कुशल कामकाज के लिए कई एंज़ाइमों को सहकारक के रूप में कुछ अणु चाहिए होते हैं। इन सहायक अणुओं को को-एंज़ाइम कहा जाता है।

को-एंज़ाइम नैसर्गिक रूप से पाए जाने वाले कार्बनिक अणु होते हैं जो एंज़ाइम के साथ जुड़कर उनके कार्य में मदद करते हैं। को-एंज़ाइम क्यू (Coenzyme Q), जिसे यूबिक्विनोन के रूप में भी जाना जाता है, एक अणु है जिसमें कई आइसोप्रीन इकाइयां होती हैं। गौरतलब है कि आइसोप्रीन एंटीऑक्सिडेंट होते हैं और तनाव की स्थिति से उबरने में मदद करते हैं।

यूबिक्विनोन हर कोशिका झिल्ली में मौजूद होता है और ऊर्जा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण होता है। यूबिक्विनोन 10 प्रकार (CoQv...CoQv) के होते हैं। प्रत्येक यूबिक्विनोन श्वसन श्रृंखला का एक अणु होता है। ये पानी में अघुलनशील है लेकिन वसीय माध्यम में घुलनशील एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये सभी को-एंज़ाइम कोशिका के प्रमुख ऊर्जा उत्पादक उपांग, माइटोकॉन्ड्रिया, के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस लेख में, हम मुख्य रूप से दो को-एंज़ाइम - CoQ9 और CoQv - पर बात करेंगे।

CoQ9 में नौ आइसोप्रीन इकाइयां होती हैं। गेहूं, चावल, जई, जौं, मक्का और बाजरा जैसे अधिकांश अनाजों में CoQ9 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा यह बांस और दालचीनी, एवोकाडो और काली मिर्च जैसे फूल वाले पौधों में भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। मनुष्यों में, CoQ10 माइटोकॉन्ड्रिया में इलेक्ट्रॉन परिवहन श्रृंखला का एक घटक है - यही वह प्रक्रिया है जिससे शरीर की अधिकांश कोशिकीय ऊर्जा का उत्पादन होता है। हृदय जैसे अंगों को बहुत ज़्यादा ऊर्जा चाहिए होती है और उनमें CoQ10 अधिक मात्रा में पाया जाता है। CoQ9 तो हमें अपने दैनिक भोजन के साथ खूब मिल जाता है। लेकिन कभी-कभी हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त CoQ10 की आवश्यकता होती है, क्योंकि कतिपय जेनेटिक कारकों, उम्र बढ़ने और तंत्रिका सम्बंधी समस्याओं के लिए इस यूबिक्विनोन की अधिक ज़रूरत होती है।

2008 में, इटली के मोंटिनी और उनके साथियों ने न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में बताया था कि CoQ10 की खुराक देने से उन रोगियों को मदद मिली जिन्हें तंत्रिका सम्बंधी समस्याएं थीं। इसी तरह, 2012 में, लंदन के न्यूरोलॉजी एंड नेशनल हॉस्पिटल की शमीमा अहमद और उनके साथियों ने बताया था कि CoQ10 की कमी वाले शिशुओं को यूबिक्विनोन एनालॉग (CoQ10 जैसा पदार्थ) देकर मदद की जा सकती है। और कई आहार विशेषज्ञ ऐसी दवाएं लिखते हैं और कंपनियां बेचती हैं जो CoQ10 के समान होती हैं।

CoQ10 का उत्पादन-जापान के इबाराकी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रोबायोलॉजिकल साइंसेज़ के कोइचि कोदोवाकी और उनके दल ने 2006 में फेडरेशन ऑफ युरोपियन बायोसाइन्स सोसायटीज़ (FEBS) लेटर्स में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया था कि धान के पौधों को जेनेटिक रूप से परिवर्तित करके उनमें CoQ10 बनाया जा सकता है। शोधकर्ता धान के पौधों में 'DdsA' नामक जीन को प्रविष्ट करवाकर CoQ10 का उत्पादन भी कर पाए थे। उनमें CoQ10 का निर्माण 1.3 से 1.6 गुना अधिक हुआ और शर्करा भी उसी अनुपात में अधिक बनी। फिर, 2021 में नेचर सेल बायोलॉजी में मुनीकी नाकामुरा और उनके साथियों ने नोबेल फेम की मशहूर तकनीक, CRISPR-Cas9 की मदद से इसी उद्देश्य से सफलतापूर्वक जीन संपादन किया था।

क्या गर्मियों में आपकी त्वचा खराब हो रही है?

गर्मियों में स्किन डैमेज का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है। तेज धूप, पसीना और धूल-मिट्टी के चलते चेहरा टैन होने लगता है और स्किन काली और बेजान होने लगती है। तो चलिए जानते हैं कि गर्मियों में अपनी स्किन का कैसे ख्याल रखें।गर्मियों का मौसम अपने साथ कई तरह की समस्याएं भी लेकर आता है। तेज धूप के चलते डिहाइड्रेशन से लेकर हीट स्ट्रोक तक का खतरा गर्मियों में काफी ज्यादा होता है। स्किन को भी तेज धूप, पसीना और धूल-मिट्टी काफी नुकसान पहुंचाते हैं। गर्मियों के मौसम में स्किन अलग तरह की केयर मांगती है। इस मौसम में स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए खुद को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है। गर्मियों के मौसम में छुट्टियों के चलते ज्यादातर लोग घूमने-फिरने भी जाते हैं, ऐसे में स्किन का ख्याल कैसे रखें, ये सवाल हर किसी के दिमाग में आता है। क्योंकि, तेज धूप के चलते सूर्य की किरणों से टैनिंग, सनबर्न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। तो चलिए जानते हैं कि गर्मियों में स्किन का ख्याल कैसे रखें और इस पर एक्सपर्ट्स का क्या कहना है। डॉ. बरखा, कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजी छत्रपति शिवाजी सुभारती हॉस्पिटल, मेरठ कहती हैं- 'गर्मी के मौसम में तेज धूप, पसीना और धूल-मिट्टी के कारण त्वचा रूखी, काली और बेजान हो सकती है, जिससे कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। त्वचा की देखभाल के लिए सबसे जरूरी है कि इसे हाइड्रेट रखा जाए। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं, जिससे त्वचा अंदर से ग्लो करेगी और ड्राइनेस दूर होगी। स्किन को ठंडक देने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल करें, यह नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। चेहरे पर टैनिंग से बचने के लिए दही और बेसन का फेस पैक लगाएं, जिससे निखार भी आएगा और टैनिंग भी दूर होगी।'इसके अलावा एलोवेरा जेल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है, यह न सिर्फ जलन और खुजली को कम करता है बल्कि त्वचा को मॉइश्चराइज भी करता है। बाहर जाने से पहले अच्छे सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, ताकि सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा सुरक्षित रहे।नींबू और शहद का मिश्रण चेहरे पर लगाने से त्वचा प्राकृतिक रूप से चमकने लगती है और दाग-धब्बे भी कम होते हैं। टमाटर का रस लगाने से भी सनबर्न और टैनिंग में राहत मिलती है। चेहरे की नमी बनाए रखने के लिए खीरा और पुदीने का रस लगाना फायदेमंद होता है, यह त्वचा को ठंडक भी देता है।ज्यादा तला-भुना और ऑयली खाना न खाएं, क्योंकि यह त्वचा पर मुंहासे और दाने पैदा कर सकता है। ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन करें, जिससे त्वचा को नैचुरल ग्लो मिलेगा। अगर स्किन से जुड़ी कोई बड़ी समस्या हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें और घरेलू उपायों के साथ सही स्किन केयर रूटीन अपनाएं।

गर्मियों में ऐसे रखें स्किन का ख्याल-गर्मियों में स्किन केयर सर्दियों की तुलना में काफी अलग होता है। बढ़ते तापमान के साथ-साथ चेहरे की देखभाल का तरीका भी बदलने लगता है। तो चलिए जानते हैं कि गर्मियों में स्किन की देखरेख कैसे करें।

1.मुल्तानी मिट्टी -मुल्तानी मिट्टी चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होती है, इससे चेहरे को ठंडक मिलती है और जलन की टैनिंग में भी राहत मिलती है। इसके लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें, इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल और गुलाब जल डालकर इसका एक पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे चेहरे पर अच्छे से लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें।

2.एलोवेरा जेल -चेहरे के लिए एलोवेरा जेल काफी फायदेमंद होता है, यह सनबर्न और चेहरे की जलन से छुटकारा दिलाता है। इसके लिए ताजा एलोवेरा जेल निकालें और इसे चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट सूखने दें और फिर ठंडे पाने से धो लें।

3.केला और पपीता का फेस पैक-केला और पपीता चेहरे के लिए लाभकारी होते हैं। इसका फेस पैक बनाने के लिए पके केले और पपीता को एक कटोरी में ले लें, इसमें शहद मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर लें। इसे चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें। यह त्वचा को नमी देता है और चेहरे को नैचुरली ग्लोइंग बनाता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान इस फूड्स से बना लें दूरी

प्रेग्नेंसी के दौरान हर किसी को इस बात की चिंता रहती है कि ऐसी कोई भी गलती न हो जिससे बच्चे को तकलीफ हो। इसलिए तो चलने-फिरने, उठने-बैठने से लेकर खाने-पीने तक का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्रेग्नेंसी के दौरान कई बार कुछ भी खाने का मन कर जाता है लेकिन कई बार ऐसी चीज खाने में आ सकती है जो कि आप को और आपके बच्चे दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसके अलावा भी कुछ हेल्दी चीजें भी आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। यहां जानिए ऐसी कौन-सी चीजें है जिसे प्रेग्नेसी के दौरान खाना अवॉइड करना चाहिए।

तैयार सलाद-सलाद यूं तो हेल्द के लिए अच्छा होता है क्योंकि इसमें फल-सब्जियां शामिल होती है। लेकिन रेस्टोरेंट या किसी कैफेटेरिया में तैयार किए गए सलाद फ्रेश नहीं होते हैं। रेस्टोरेंट में एक घंटे से ज्यादा समय से कटे हुए सलाद सर्व किए जाते हैं।

अनपॉश्चराइड दूध और ज्यूस- अनपॉश्चराइड दूध और कई नरम चीज से गर्भावस्था के दौरान बचा जाना चाहिए। अगर चीज पर यह लेबल लगा है कि वह पॉश्चराइड दूध से बना है तो गर्भावस्था के दौरान इसका इस्?तेमाल करना सुरक्षित हैं। लेकिन अगर लेबल से स्पष्ट नहीं हो रहा है तो इससे बचना बेहतर होगा क?योंकि इनमें बैक्टीरिया हो सकता है।

एल्कोहल-प्रेग्नेंसी में एल्कोहल का सेवन करने से समय के पहले प्रसव की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा बच्चे की मानसिक क्षमता भी प्रभावित होती है तथा कम वजनी बच्चा पैदा होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

मल्टी-विटामिन सप्लीमेंट्स- प्रेग्नेंसी के दौरान फिश लिवर ऑइल सप्लीमेंट्स या कोई भी मल्टी-विटामिन सप?लीमेंट्स न लें। इन्हें गर्भावस?था के दौरान सुरक्षित नहीं माना जाता हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान सप?लीमेंट लेने से पहले अपने डॉक?टर से बात जरूर कर लें।

पपीता-पपीते की तासीर गर्म होती है और ऐसे में इसका सेवन बच्चे की सेहत पर बुरा असर डालता है। साथ ही किसी भी तरह का फल खाने से पहले उसे ताजे पानी से अच्छी तरह धोना न भूलें।

मछली - मछली में भारी मात्रा में मर्करी पाई जाती है और इसके सेवन से बच्चे के शारीरिक विकास में देरी और उसके दिमाग को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकता है। इस दौरान कच्ची मछली भी खाने से बचना चाहिए।

राठ क्षेत्र की आस्था का महासंगमः 3131 फीट निशान श्याम पद यात्रा जौनायचा खुर्द से खाटूधाम तक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । राठ क्षेत्र की धार्मिक आस्था और श्रद्धा का भव्य प्रतीक मानी जाने वाली 3131 फीट निशान श्याम पद यात्रा का आयोजन इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा भाव और उत्साह के साथ जोनायचा खुर्द से खाटू श्याम निशान यात्रा रवाना हुई। यात्रा को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं विधायक ललित यादव के मुख्य अतिथि में रवाना हुई। यह निशान यात्रा वंदना यादव अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेवा सीकर संभाग अध्यक्ष के नेतृत्व में निशान यात्रा रवाना हुई। वंदना यादव ने बताया कि यह यात्रा राठ क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी निशान श्याम पद यात्रा है, जिसमें हजारों श्याम भक्त भाग लेकर बाबा श्याम के जयकारों के साथ पदयात्रा कर रहे है। निशान यात्रा का शुभारंभ बाबा श्याम की प्रतिमा के साथ विधिवत पूजन - अर्चन पंडित चंद्रकांत शर्मा के द्वारा कर किया। निशान यात्रा से पूर्व अतिथियों के द्वारा फीता काटकर तथा ध्वज हाथ में लेकर रवानगी दी गई। यात्रा का शाहजहांपुर में प्रवेश करने पर श्याम प्रेमियों के द्वारा फूल बरसाकर स्वागत किया वही नीमराना मोड पहुंचने पर लघु उद्योग भारती इकाई नीमराना के अध्यक्ष शशांक भारद्वाज के नेतृत्व में यात्रा का फूल मालाओं से स्वागत

किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, लघु उद्योग भारती इकाई नीमराना अध्यक्ष शशांक भारद्वाज, लघु उद्योग भारती कोषाध्यक्ष किरोड़ी सिंह सिकंदर, भाजपा नेता इंद्र यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष महा चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, नीमराना पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, अनिल यादव प्रदेश अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेवा हेमंत जकराना प्रदेश कार्यालय प्रभारी, अश्वनी झा, नरेंद्र कसोतिया, जगमोहन, सतीश, श्याम प्रेमी सरिता गुरुग्राम, सुनील प्रवक्ता, प्रदीप भेड़ी, लखदार तार सेवा परिवार संजय, नवल किशोर शर्मा, कृष्णा मेहता, राजू यादव, कुलदीप सेन व समस्त नवयुगक मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन के लिए जिला चैयरमेन चिराणिया ने किया आधा दर्जन क्षेत्रों का दौरा, आयोजन में शामिल होने का दिया निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सीकर जिला चैयरमेन अमित चिराणिया ने जिले के आधा दर्जन क्षेत्रों का दौरा कर 4 जनवरी को मंडा धर्मशाला खाटूश्यामजी में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में भाग लेने के लिए अग्रवाल समाज के प्रबुद्ध जनों से संपर्क कर आयोजन में शामिल होने का न्योता दिया। यह जानकारी देते हुए युवा अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज ने बताया कि राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत के निर्देशन में जिला चेयरमेन अमित चिरानिया के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष अनिल तोदी, जिला महामंत्री मणिशंकर खेतान, प्रदेश मंत्री शुभम मोदी जिला उपाध्यक्ष मुरली खेतान आदि ने पलसाना,

रिंगस, खंडेला, श्रीमाधोपुर, नीमकाथाना क्षेत्रों में अग्रबंधुओं से मुलाकात की और अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने की अपील की । दौरे के दौरान पलसाना से विनोद गोयल ओमप्रकाश गोयल मनोज अग्रवाल, खंडेला से सुरेश कुमार चौधरी खंडेला अध्यक्ष नाथूलाल रॉयल, नीमकाथाना से त्रिलोकचंद दीवान, दौलतराम गोयल, कमलेश मगेतिया, दिनेश गोयल, रिंगस से राजकुमार काबरा पवन पंसारी पंकज गर्ग अरुण अग्रवाल महेश काबरा, श्रीमाधोपुर से राजेंद्र प्रसाद बजरंगलाल मुरारीलाल सुरेश पटवारी एवं अन्य अग्रबंधुओं ने प्रतिनिधि मंडल से अधिकाधिक संख्या में अग्रबंधुओं को लेकर मंडा धर्मशाला खाटू रोड पर आने का आश्वाशन दिया।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राजकीय चिकित्सालय शाहजहांपुर में सुशासन दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को राजकीय चिकित्सालय शाहजहांपुर में सुशासन दिवस के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आज 25 दिसंबर 2025 को चिकित्सालय प्रांगण में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से की गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुशासन की शपथ लेकर कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में संस्था प्रभारी डॉ. विक्रम यादव, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन कोटपूतली-बहरोड़ के जिलाध्यक्ष

गणेश यादव, डॉ. योगिता चौपड़ा, नर्सिंग ऑफिसर शर्मिला यादव, केला यादव, अनिता यादव, निर्मला यादव, राजीव शर्मा, रविन्द्र टेकाडिकया, सुरेन्द्र चौधरी, प्रदीप यादव, दीपक, बबली कंवर, संतोष सहित चिकित्सालय का अधिकांश स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, विचारों और सुशासन के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुशासन, जनसेवा और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

विज्ञान से अध्यात्म की ओर, लोहिया पब्लिक स्कूल में ज्ञान, संस्कार और नवाचार का संगम'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में स्थित लोहिया पब्लिक स्कूल में 'विज्ञान से अध्यात्म की ओर' विषय पर आयोजित शैक्षिक प्रदर्शनी ने शिक्षा के एक प्रेरणादायक स्वरूप को प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि जब विज्ञान और अध्यात्म एक साथ चलते हैं, तभी जीवन को सही दिशा और संतुलन मिलता है।प्रदर्शनी में सूर्य, चंद्रमा, नवग्रहों, पृथ्वी और त्रिदेव के माध्यम से अध्यात्म को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से दर्शाया गया। सूर्य के रूप में मयंक, चंद्रमा तनमय, राहु वीरेंद्र, केतु पलक, भगवान शिव नव्या सोनी, भगवान विष्णु प्राची, भगवान ब्रह्मा प्रियांशी, पृथ्वी शिवालिका, बुध गुंजन, गुरु रॉक्सी, शुक्र आराध्या, मंगल आरव और शनि के रूप में नरेश ने आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिकाएँ निभाईं।गणित एवं विज्ञान अनुभाग में टाइप्स ऑफ एंगल, एटीएम वर्किंग मॉडल, त्रिकोणमिति, प्रोबेबिलिटी, टाइप्स ऑफ ग्राफ और कार्बन प्यूरीफायर जैसे शैक्षिक मॉडल प्रस्तुत किए गए, जिसमें लवजीत, नव्या ,शौर्य ,रिया और पूर्वी जिनके माध्यम से विषयों को सरल और रोचक ढंग से समझाया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे, जिनमें शुगानी कुलहरी, अविका अडूकिया, प्रमोद

खेदड़, संजय गोठड़िया, प्रधानाचार्य अतुल मिश्रा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल से दीपिका सिंह एवं अनूप सिहाग शामिल रहे। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की तथा शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति और भविष्य की पढ़ाई से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राम सिंह नेहरा, संस्था निदेशक जगपाल सिंह यादव, अभय सिंह बडेसरा, प्रिंसिपल प्रमोदनी दुबे, प्रधानाचार्य प्रमिला झांझरिया, चेयरपर्सन ममता नेहरा, सचिव प्रदीप नेहरा एवं पूरणमल गजराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल संचालन में पीटीएम प्रभारी विशाल शर्मा , दीपक शर्मा काजल शर्मा, माया जांगिड़ ,सिमरन नीतूका, सीमा शर्मा , कोमल का विशेष सहयोग रहा।

महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से गुरुवार को महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवस मनाया तथा उपस्थित जनों ने महाराजा सूरजमल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर परिषद के भाग संयोजक गगन चौधरी, युवा नेता कमलेश चौधरी, अनमोल चौधरी, सुमित,अभिषेक जाट, रामदयाल, कृष्णा, अनुज थोरासी, मोनु घस्सु , सरफराज जाजोद, प्रितम बलारा, मोहित गुर्जर, प्रियांशु नरोदडा, सोनू नरोदडा, प्रवीण नरोदडा , नीरज, शाहिद, रोहित, अंकित, दिनेश, निखिल, राम, राहुल,विजय अलखपुरा, सुनील,दुर्गेश आदि उपस्थित रहे।

बाबा शिवस्वरूप गौशाला का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्नः गौसेवा का दिया प्रेरक संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड क्षेत्र के नाघोड़ी - सिलारपुर, स्थित बाबा शिवस्वरूप गौशाला का वार्षिकोत्सव गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर में निर्मित पक्षी घर में भगवान श्रीकृष्ण एवं गाय माता की आकर्षक मूर्तियों का विधिवत उद्घाटन किया गया। वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता कालिया पहाड़ के महंत शीतलनाथ महाराज ने की। गौशाला कमेटी की ओर से कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं भामाशाहों का साफा पहनाकर एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नीमराना

के पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव, ताजवीर सिंह थानेदार, देवदत्त यादव, गिर्राज यादव पार्षद, नंदराम ठुकरान, दिल्ली नगर निगम के अध्यक्ष सूरत सिंह, शीशराम यादव, भूतेरी देवी सरपंच, शिवचरण गुप्ता, सोनी देवी, निदेशक डॉ. दीपिका सूर्य यादव, डॉ. सूर्या यादव, समाजसेवी केशव प्रजापति, वनखंडी आश्रम के महंत रामदेव महाराज, रमाकांत तिवारी (गौशाला जखराना), मास्टर जगमाल सिंह यादव, हर्षदीप चौधरी (निदेशक, लॉर्डस प्रॉपर्टीज नांगलोई, दिल्ली), परमानंद सैनी, एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, संजय यादव, एडवोकेट हरि ओम जांगिड़, एडवोकेट रविंद्र सामरिया, सिलारपुर के पूर्व सरपंच एडवोकेट धर्मवीर रेवाड़िया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव के दौरान नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षाविद एवं गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर गौशाला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दलीप मुनीम, अनूप यादव, पूर्व सरपंच सतीश मुदगल, संजय यादव पथरावाली ढाणी, बलबीर सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, हंसराज नंबरदार, चोखाराम, भूपसिंह, विक्रम, महेंद्र, ताराचंद, जसवंत सूबेदार, लालचंद, हरबीर, बंसीलाल, बजरंग फौजी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गौभक्त मौजूद रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में गौसेवा को मानव सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बताते हुए पर्यावरण संरक्षण, करुणा और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन गौमाता की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सांसद खेल महोत्सव-2025 का समापन, पीएम मोदी का लाईव संबोधन बना प्रेरणा स्रोत

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

गुरुवार को सूचना केंद्र सभागार में सांसद खेल महोत्सव-2025 का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में विभिन्न संसदीय क्षेत्रों में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह को वी.सी. के माध्यम से सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव से युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का एक मजबूत मंच मिला है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं से प्रतिभाओं की पहचान हो रही है और उन्हें आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से जुडे खिलाडियां से भी संवाद किया। समारोह में खिलाड़ियों की प्रतिभा, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना करते हुए अतिथियों ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक, मानसिक एवं चारित्रिक विकास का मजबूत आधार हैं।अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है तथा 'फिट इंडिया' के संकल्प को मजबूती मिलती है। जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी विभागों,

प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया।

अतिथियों द्वारा विभिन्न खेल

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान क्रिकेट खिलाड़ी हैप्पी खींचड़, एथलीट सिद्धार्थ एवं बॉक्सिंग खिलाड़ी भविष्य को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, कार्यक्रम संयोजक नारायण पचारिया, बनवारीलाल सैनी, विशंभर पूनिया, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला, कमलकांत शर्मा, प्यारेलाल ढूकिया, सरजीत चौधरी, अजय चाहर, एडीआईओ पूनम महला सहित स्वर्ण जयंती स्टेडियम के कोच, खिलाड़ी व अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय हिंद ने किया ।

84वां भारत को जानो कार्यक्रम में शामिल हुए 18 देशों के प्रतिनिधियों ने व्यक्त की भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

विश्व हिंदी परिषद एवं विदेश मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित 84वां भारत को जानो कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम का आयोजन श्रीकृष्णा मां जलपा भवानी गौशाला समिति नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में 18 देशों के प्रतिनिधियों

ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मुकुल कानिटकर थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र व प्रभारी राजस्थान व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विश्व हिंदी परिषद एवं लक्ष्मनगढ निवासी श्री कुमार लखोटिया थे। इस अवसर पर राजीव लोचन,अजय कुमार गुप्ता, नरेंद्र जिंदल एवं गौशाला संचालित समिति के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में देश विदेश से आए 80 प्रवासी भारतीय प्रतिनिधियों द्वारा गौमाता का पूजन किया। गौशाला समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया।

फतेहाबाद शहर में एनएच-9 के बीच में डिवाइडर निर्माण, सैंपल फेल

ठेकेदार की 60 लाख की सिक्योरिटी जब्त

विजिलेंस केस दर्ज करने पर लेगी कानूनी राय -

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद शहर के बीचों बीच सिरसा-हिसार रोड स्थित है। एनएच-9 पर बनाए गए डिवाइडर को लेकर बड़ा खुलासा हुआ डिवाइडर का निर्माण कार्य पूरा चुका है, लेकिन अब विजिलेंस जांच में निर्माण सामग्री के लिए गए सैंपल मधुबन लैब में फेल हो गए हैं, जिससे घटिया निर्माण की पुष्टि हुई है। सैंपल फेल होने के चलते ठेकेदार की करीब 60 लाख रुपये की सिक्योरिटी राशि जब्त कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, इस डिवाइडर के निर्माण के लिए करीब 2 करोड़ 8 लाख रुपये का टेंडर लगाया गया था और यह कार्य नगर

परिषद फतेहाबाद द्वारा करवाया गया। सूत्रों का कहना है कि सैंपल फेल होने के बाद अब इस मामले में ठेकेदार से रिकवरी के आदेश जारी हो सकते हैं, वहीं तत्कालीन नगर परिषद अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और विजिलेंस केस दर्ज किए जाने की भी तैयारी चल रही है। विजिलेंस इस संबंध में कानूनी राय ले रही है। गौरतलब है कि डिवाइडर निर्माण शुरू होने के समय से ही घटिया सामग्री के इस्तेमाल को लेकर लगातार आरोप लगते रहे थे। निर्माण के दौरान बीच में विकसित हो चुके पौधों को भारी नुकसान पहुंचाया गया, जिससे शहरवासियों में रोष देखा गया। डिवाइडर में लगाए गए पत्थरों और डिजाइन को लेकर भी इसे घटिया निर्माण का जीता-जागता उदाहरण बताया जाता रहा है। शहर की मुख्य सड़क पर सौंदर्यीकरण और यातायात प्रबंधन के उद्देश्य से सिरसा रोड के सेतिया पैलेस से लेकर हिसार रोड के मताना मोड़ तक इस डिवाइडर का निर्माण कराया गया था। इसी बीच एक शिकायत के आधार पर एसीबी / विजिलेंस ने जांच शुरू की और डिवाइडर में इस्तेमाल सामग्री के नमूने एकत्र किए गए थे, जो अब फेल पाए गए हैं। विवाद यहीं तक सीमित नहीं रहा । हिसार - सिरसा रोड पर शमशान भूमि के सामने ठेकेदार द्वारा चार-चार फुट ऊंचे पिलर खड़े कर दिए गए थे, जिससे दूसरी तरफसे आने वाले व्यक्ति या पशु दिखाई नहीं देते थे और हादसों का खतरा बढ़ गया था। मामले में संज्ञान लेते हुए नगर परिषद ने पिलर तुड़वा दिए थे।इसके अलावा, डिवाइडर के मोड़ प्वाइंट पर लगाए गए गमलों और ग्रिल भी विवादों में रहे। ट्रैफिक पुलिस की आपत्ति और दुर्घटनाओं की आशंका के चलते इन्हें हटाने का काम शुरू करना पड़ा। कुल मिलाकर, एनएच-9 के बीच बना डिवाइडर निर्माण शुरू से लेकर अब तक विवादों, शिकायतों और जांच के घेरे में रहा है। सैंपल फेल होने के बाद नगर परिषद अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विजिलेंस जांच के बाद किस स्तर तक जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार पर कार्रवाई होती है।

प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष बाटड़ का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9 की प्रधानाध्यापिका श्रीमती संतोष बाटड़ की सरकारी सेवा में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष रविना देवी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ।समारोह के मुख्य अतिथि ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा थे।जबकि विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षा प्रसार अधिकारी युसूफ अली, यूसीईओ शिव भगवान गोरा, सोडाणी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रभारी लालचंद शर्मा रहें। वक्ताओं ने संतोष बाटड़ के कार्यकाल की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

समारोह में शिक्षक संघ शेखावत के प्रेम सिंह डोटासरा, रामावतार फगेड़िया, सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक मुकेश गुप्ता, सेवानिवृत्त तहसीलदार रतन कुमार, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 2 से सुनीता सोनी, सरिता देवी, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 3 की प्रधानाध्यापक सरोज देवी, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय संस्कृत से प्रधानाध्यापक अशोक शर्मा, प्रधानाध्यापिका एवं संतोष बाटड़ के पति नेमीचंद थालोड़ व बीडीएम स्कूल के निदेशक देवेंद्र खीचड़ उपस्थित रहें। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9 के अध्यापक रश्मि गुप्ता, सरोज देवी, अनीता आलड़िया, विनोद कुमार व सुशीला देवी ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन अध्यापक महेंद्र कुमार माली ने किया।

श्रवण कुमार, भामाशाह श्रवण खीचड़, फतेहपुर से प्रधानाध्यापक राजेश बिवाल, व्यवसायी विनोद टाक, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक

कुम्भाराम लिफ्ट परियोजना के 100 पाइप चोरी का खुलासा

चिड़ावा पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, 10-12 लाख की संपत्ति बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पुलिस थाना चिड़ावा क्षेत्र के गांव पिचानवा से कुम्भाराम लिफ्ट परियोजना एवं जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जाने वाली पाइपलाइन के 100 डीआई पाइप चोरी की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक कार द्व10 तथा एक ट्रक (टाटा 1916) को जब्त किया है। चोरी गए पाइपों की अनुमानित कीमत 10 से 12 लाख रुपये बताई गई है।

रात के अंधेरे में अंजाम दी गई थी चोरी

पुलिस के अनुसार ठेका कंपनी द्वारा पिचानवा से किढवाना की ओर पाइपलाइन बिछाने के लिए लाए गए पाइप रात के समय खाली खेत में उतारे गए थे। 18 दिसंबर की रात आरोपियों ने मौके का फायदा उठाते हुए 100 पाइप चोरी कर लिए। अगले दिन सुबह जब श्रमिक कार्यस्थल पर पहुंचे तो मौके से सभी पाइप गायब मिले, जिसके बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

250 किलोमीटर तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक झुंझुनू के निर्देशन में विशेष टीमें गठित की गईं। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और करीब 250 किलोमीटर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर संदिग्ध वाहनों की पहचान की गई। साइबर सेल और डीएसटी की मदद से रूट चार्ट तैयार किया गया, जिसके आधार पर आरोपियों तक पुलिस पहुंच सकी।

तीन आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी की वारदात में संलिप्त जाबिद, शौकिन उर्फ सोहिल और सुलतान को गिरफ्तार किया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों से उनके अन्य साथियों तथा चोरी गए पाइपों की बरामदगी को लेकर अनुसंधान जारी है। सभी आरोपियों को 24 दिसंबर को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

पुलिस टीम को इनाम और प्रशंसा पत्र

इस बड़ी चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम को नगद इनाम एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने इसे टीमवर्क और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

जनहित की परियोजनाओं पर अपराध को लेकर सख्त संदेश

जल जीवन मिशन जैसी जनहित से जुड़ी योजनाओं में चोरी की घटनाओं को पुलिस ने गंभीर अपराध मानते हुए साफ संदेश दिया है कि सरकारी विकास परियोजनाओं में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अरावली संरक्षण पर केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत, मनसा में जताया आभार

मनसा शक्ति पीठ खोह प्रवेश द्वार पर अरावली बचाओ आंदोलन के पर्यावरण प्रेमियों का अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । अरावली बचाओ-जीवन बचाओ अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए संघर्ष करने वाले पर्यावरण प्रेमियों एवं आंदोलनकारियों का आज मीन सेना के अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, सरपंच बाबुलाल फोजी व पुर्व सरपंच जगदीश गुर्जर के सानिध्य में मनसा शक्ति पीठ प्रवेश द्वार पर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मनसा माता, देवनारायण भगवान,अखाड़े वाले बालाजी एवं झरना नाथ के संतो का आशीर्वाद प्राप्त कर की गई। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व अरावली बचाओ ब्रिगेड के सदस्यों ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर केंद्र सरकार द्वारा की गई घोषणा पर आभार प्रकट किया और इसे जनआंदोलन की बड़ी सफलता बताया। संघर्ष समिति के ब्रह्मदत मीणा व महिपाल गुर्जर ने बताया कि 22 दिसंबर को मनसा की पहाड़ियों से अरावली को बचाने के लिए आंदोलन प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया था। जनसहयोग, जागरूकता एवं निरंतर दबाव के परिणामस्वरूप सरकार द्वारा सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में अरावली बचाओ ब्रिगेड ने आंदोलन को फिलहाल एक बार के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि अरावली की सुरक्षा को लेकर सतत निगरानी जारी रहेगी तथा भविष्य में किसी भी प्रकार के खतरे की स्थिति में आंदोलन को पुनः मजबूती से शुरू किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि अरावली पर्वतमाला

क्षेत्र की जलवायु, जलस्रोत, वन एवं जैव विविधता की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में पुजारी रविन्द्र शर्मा,शीशराम गुर्जर, राजेन्द्र गुर्जर,मदनलाल मीणा, रणवीर गुर्जर, रामनिवास मोदी, सुनिल फोजी कसाणा, लालचंद, महेंद्र हलवाई , सीताराम कुमावत, सांवरमल कुमावत, हिरालाल , मनोज पौंख, छीतरमल पंथाला सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी, ग्रामीणजन, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

पत्रकार समाज को सही दिशा देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं- डॉ. शिखा मील बराला

स्वर्गीय सीताराम शर्मा पत्रकार की 25वीं पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । पत्रकार समाज को सही दिशा दिखाने में अपनी अहम भूमिका निभाकर समाज की सेवा करते हैं, इसलिए उन्हें सोच समझकर कार्य करना चाहिए। पत्रकारिता एक ऐसा विषय है, जिसमें अपने अधिकारों से ज्यादा जिम्मेदारियां होती हैं। पत्रकारिता में सृजनात्मक दृष्टि से किए गए कार्य इस समाज को दिशा देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। यह बात निकटवर्ती ग्राम इटावा-भोपजी में बुधवार को प्रातः 9:00 बजे ग्राम के पूर्व सरपंच एवं बजरंग बाण समाचार पत्र के संस्थापक स्वर्गीय सीताराम शर्मा की 25वीं पुण्यतिथि पर श्री कृष्णा कॉम्पलेक्स में श्री तालाब वाले बालाजी सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय पलसानिया व उनकी समस्त टीम द्वारा आयोजित हुए रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कही। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का दायित्व बनता है कि वे बिना किसी भेदभाव के समाज एवं राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए समाज की सेवा करें। स्वर्गीय शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे विशिष्ट प्रतिभा के धनी थे। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। शर्मा नौजवानों एवं पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत थे। डॉ. बराला ने रक्तदान का महत्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। जिससे किसी की जान बचाई जा सकती है।

इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ शुरू हुई। तत्पश्चात श्री हरिनाम संकीर्तन और विशाल रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 157 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। अतिथियों के द्वारा रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट कृष्णा सिंह जादौन, भाजपा के पूर्व युवा मोर्चा उत्तर देहात के अध्यक्ष श्याम शर्मा, प्रांत महामंत्री डॉ. सांवरमल सोलेट, बार एसोसिएशन चौमूं के अध्यक्ष चरण सिंह चौधरी, शंकर सिंह खेजरोली, निशा शर्मा, रेखा चौपड़ा, अपर लोक अभियोजक एडीजे कोर्ट चौमूं संजय बिवाल, रामगोपाल शेरावत, आनंद मिश्रा, बी.एल.भंडारी, गजानंद कुमावत, मुरलीधर बर्रा, राजकुमार सैनी, सरपंच प्रतिनिधि हनुमान सहाय दुसाद, देवथला सरपंच रामजीलाल सैनी, उमराव सिंह, भगवान सहाय यादव, पूर्व सरपंच प्रीतम सैन, संतोष सैनी, महेश शर्मा, गोवर्धन टेलर, राजकुमार शर्मा, किरण शर्मा, रामावतार शर्मा, भंवर खा राणा मौजूद थे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में सुशासन दिवस पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में जनहितैषी पोर्टल किए लॉच

सरकार की योजनाओं ने शासन को बनाया सरल, सुलभ एवं पारदर्शी: पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली

सुशासन दिवस पर आमजन से राष्ट्र व प्रदेश के निर्माण में अहम भूमिका निभाने का किया आह्वान : दुड़ाराम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा के पूर्व विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि सुशासन का अर्थ एक ऐसी व्यवस्था से हैं जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही सुनिश्चित हो और योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली सुशासन दिवस के अवसर पर स्थानीय डीपीआरसी हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सुशासन का मतलब है जनता का शासन, जो आज भी शासन व्यवस्था के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। यह दिन भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन और कार्यों से देश को सुशासन की स्पष्ट दिशा दी। उन्होंने कहा कि अटल जी का मानना था कि शासन का उद्देश्य जनता की सेवा होना चाहिए और प्रत्येक निर्णय जनहित में लिया जाना चाहिए। पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सुशासन को एक नया आयाम मिला है। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, आयुष्मान भारत और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से शासन को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे आम नागरिकों को सीधे लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि

सुशासन तभी सफल होगा जब भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए तथा हर नागरिक को सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने सुशासन दिवस के अवसर पर ईमानदारी, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि लोगों को कल्याणकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ मिलने में देरी न हो, इसके लिए सरकार ने अनेक क्रांतिकारी बदलाव किए है जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी प्रेरणास्त्रोत थे और राष्ट्र को मजबूती प्रदान की। उनके समय में गांव से शहरों को सडक़ों से जोडऩे का अभूतपूर्व कार्य हुआ जिसे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की जीवन शैली से हम सभी नागरिकों को प्रेरणा लेनी चाहिए तथा समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाने में अपना योगदान देना चाहिए।

दुड़ाराम ने कहा कि प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार मामले में जीरो टॉरलेंस नीति सुशासन का ही लक्ष्य है। इसके लिए सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा नागरिक पूर्णरूप से सहयोग करें। प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति है कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने सुशासन में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ लोगों को योजनाओं का लाभ देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई घोषणाएं समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभ देने वाली है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्येय अंत्योदय की भावना के साथ चलते हुए सभी लोगों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है। सुशासन दिवस पर नागरिकों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे सरकार की हर सेवा और योजना का लाभ उठाएं और अपना जीवन सरल करें। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सरकार सुशासन के अपने संकल्प को पूरी ईमानदारी से निभा रही है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सुशासन दिवस की शुरुआत कर जो संकल्प लिया था उसे लगातार निभा रहे हैं तथा पारदर्शी शासन व्यवस्था दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन है। यह अपने आप में एक पावन दिवस है और सुशासन दिवस मनाने के लिए आज से बेहतर कोई अवसर नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सच्चे देशभक्त होने के साथ-साथ एक दूरदर्शी नेता भी थे। सुशासन दिवस के अवसर पर उप-तहसीलदार फतेहाबाद विकास, उप-तहसीलदार भूना कृष्ण कुमार, उपायुक्त कार्यालय की शिकायत शाखा से धर्मेन्द्र लिपिक, एडीसी कार्यालय से संदीप कुमार, पुलिस विभाग से सहायक उपनिरीक्षक विनोद कुमार को जिला स्तरीय अवार्ड प्राप्त करने पर स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खीचड़, ब्लॉक समिति चेयरपर्सन पूजा रानी, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, डीडीपीओ अनूप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, जिला कल्याण अधिकारी विनोद चावला, एलडीएम विक्रांत वर्मा सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरसीराम शास्त्री को मिला दी लीजेंड अवार्ड ऑफ तिजारा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खैरथल-तिजारा।

अटल स्मृति वर्ष के तत्वाधान में आयोजित महाराजा श्री भर्तृहरि धर्मार्थ विकास संस्थान एवं राजस्थान गौ सेवा समिति तिजारा के द्वारा स्वर्गीय श्री प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जयंती के उपलक्ष्य में नरसीराम शास्त्री को दिव्यंग सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु दी लीजेंड अवार्ड ऑफ तिजारा से सम्मानित किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बलबीर नाथ जी महाराज पूर्व जिला प्रमुख रेखा राजू यादव कपिल गुप्ता बने सिंह सुभाष सैनी रतिराम यादव रामनिवास यादव मीरा मुखीजा आदि सैकड़ो जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सैकड़ो व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

बांग्लादेश में हुए हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आक्रोश रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । बांग्लादेश में हुए हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आक्रोश रैली विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और हिंदू समाज के द्वारा निकाली गई । आक्रोश रैली खेल मैदान से शाकंभरी गेट तक नारेबाजी करते हुए गेट पर बांग्लादेश का पुतला जलाया गया और आक्रोश व्यक्त किया गया कि बांग्लादेश पर भारत सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और इन बांग्लादेशों को भारत से जल्दी से जल्दी निकल जाए । इस दौरान तहसील विश्व हिंदू परिषद के बृजमोहन शर्मा, गिरधारी लाल राठी , संत गोपाल दास महाराज, तहसील

बजरंग दल तहसील संयोजक रण सिंह नगर संयोजक सुनील गौ रक्षक पूर्व नगर संयोजक अशोक कुमार, गोविंद कुमार, पार्षद घनश्याम स्वामी, गौरक्षक हीरा गुर्जर खंडेला, अमित जांगिड़ गौ रक्षक गौरक्षक अध्यक्ष, सुभाष, जितेंद्र भवानी, अभिषेक , लोकेंद्र, राहुल ,मोहित पंकज शेखावत, राम रतन शर्मा, सोनू शर्मा ,गुरु स्वामी, संदीप माथुर, विष्णु सोनी, सुनील आदि थे।

बजरंग दल द्वारा तुलसी पूजन एवं महाराजा सूरजमल बलिदान दिवस श्रद्धा के साथ मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । गीता कॉलोनी स्थित गगन मोर के निवास पर बजरंग दल द्वारा तुलसी पूजन एवं वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ गगन मोर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला संयोजक अंकित भालोटिया ने महाराजा सूरजमल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने राष्ट्र, धर्म एवं हिंदुत्व की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि महाराजा सूरजमल का बलिदान आज भी समाज को धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरणा देता है। जब विदेशी आक्रांताओं एवं मुगलों के अत्याचारों, बलपूर्वक व जबरन धर्मांतरण के विरुद्ध जनभावनाएँ प्रबल हुईं, तब महाराजा सूरजमल जी ने उनका डटकर विरोध किया। साथ ही बताया कि भारतीयों के लिए यह सप्ताह महापुरुषों के बलिदान और शहादत को याद करने का है, न कि विदेशी मिशनरियों के प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देते हुए धर्मांतरण जैसी विदेशी साज़िशों का अनुसरण करने का। कार्यक्रम में अमित शर्मा ने महाराजा सूरजमल जी के शौर्य और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इतिहास में वर्णित घटनाओं के अनुसार , उन्होंने बताया किअफ़ग़ानी विधर्मी अब्दाली ने मुग़लों से मिलकर एक हिंदू लड़की के अपहरण की घटना के विरोध में महाराजा सूरजमल जी ने न्याय और नारी सम्मान की रक्षा हेतु 84 दिनों तक दिल्ली की सीमाओं को बंद रखकर अपना सशक्त प्रतिरोध दर्ज कराया। यह उनके साहस, स्वाभिमान और धर्मरक्षा के संकल्प को दर्शाता है साथ ही कार्यक्रम में तुलसी पूजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें बताया गया कि तुलसी धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ-साथ पर्यावरण एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं जय श्री राम के नारों के साथ हुआ। कार्यक्रम में बजरंग दल से अंकित भालोटिया, अंकुश, गगन मोर, गणेश सैनी, अभिषेक, हिमांशु मोर, नितिन, अमित शर्मा, लक्ष्य कथूरिया, शुभम, आर्यन वाल्मीकि, संदीप एवं हर्ष बाजवा सहित बजरंग दल के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यू ईडन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया क्रिसमस डे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

स्थानीय न्यू ईडन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को क्रिसमस डे का आयोजन अत्यंत उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहाँ बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों और सांता क्लॉज की वेशभूषा में उत्साह के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'जिंगल बेल, जिंगल बेल' गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को क्रिसमस की खुशियों से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने ईसा मसीह के जीवन, प्रेम, करुणा और सेवा के

संदेश पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों और स्टाफ ने खूब सराहा। संस्था निदेशक डॉ. अनिल गोदारा एवं न्यू ईडन गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनीता ने केक काटकर क्रिसमस डे समारोह की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को आपसी प्रेम, भाईचारे और मानवता के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान सांता क्लॉज बने विद्यार्थियों ने सभी बच्चों को टॉफियां वितरित कर खुशियाँ बाँटीं, जिससे नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। विद्यालय में पूरे समय उल्लास और उमंग का माहौल बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार सहित स्टाफ सदस्य विजय सिंह, विजेंद्र कुमार, निजामुद्दीन, प्रीतम कुमार, संतोष कुमार सैनी, बाबूलाल, सुशीला चेतना, पूनम, विजेंद्र सैनी सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

सांसद खेल महोत्सव समापन समारोह

प्रधानमंत्री मोदी ने सांसद खेल महोत्सव को बताया देशव्यापी जनआंदोलन

प्रधानमंत्री ने खेल महोत्सव में टॉप करने वाले क्षेत्रों के खिलाड़ियों से किया संवाद

टॉप-4 में शामिल सिरसा लोकसभा क्षेत्र के डांगरा के युवा बॉक्सर नीरज को किया प्रोत्साहित

युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सिरसा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित करवाये गए

सांसद खेल महोत्सव के लिए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को बधाई दी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को फतेहाबाद जिले के टोहाना खंड के गांव समैन में सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर कहा कि यह आयोजन अब देश में एक जन आंदोलन बन चुका है, जिसमें एक करोड़ से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कर भागीदारी कर एक नया उत्साह दिखाया है।प्रधानमंत्री वीरवार को देशभर में आयोजित हुए सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल जीत या हार का माध्यम है, बल्कि यह खेल भावना, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे अच्छा साधन है, जो युवाओं को जीवन में आगे बढने की प्रेरणा देता है और उन्हें देश के निर्माण में योगदान देने के लिए तैयार करता है।युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सिरसा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित करवाये गए सांसद खेल महोत्सव के लिए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को बधाई दी और कहा कि इस क्षेत्र में खेलों का बेहतरीन आयोजन किया गया है।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला द्वारा आयोजित किए गए खेल महोत्सव की ली जानकारी

उन्होंने देशभर में चले इस खेल महोत्सव के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने युवा बॉक्सर नीरज से किया सीधा संवाद

समापन समारोह वीसी के माध्यम से बॉक्सर नीरज के साथ एक भावपूर्ण संवाद के साथ हुआ। गांव डांगरा के युवा बॉक्सर नीरज, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर नेशनल स्तर पर नाम कमाया है, प्रधानमंत्री से सीधे बात करने का मौका प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज का पारंपरिक राम-राम कहकर अभिवादन किया। जब नीरज ने पूछा कैसे हैं?, प्रधानमंत्री ने हंसते हुए कहा, मैं तेरे जैसा ही हूं। इससे समारोह स्थल पर उपस्थित सभी में जोश और उत्साह देखने को मिला।

नीरज ने ओलिंपिक मेडल जीतने की इच्छा जताई

प्रधानमंत्री ने नीरज से पूछा कि क्या वह खेल में ही अपना करियर बनाना चाहते हैं? नीरज ने कहा कि वह देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने ओलिंपिक में भारत का नाम रोशन करने वाले महान खिलाड़ियों विशेषकर हरियाणा की खेल परंपरा – का उल्लेख करते हुए नीरज को प्रोत्साहित किया। नीरज ने कहा कि वह इंटरनेशनल बॉक्सर के मैच भी देखते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं। प्रधानमंत्री ने मजाक में कहा कि अगर मोबाइल देखते हो, तो पिताजी कहेंगे जाओ खेलो! – इस पर भी दोनों के बीच हंसी-मजाक का अवसर हुआ।

खेल में है असीमित अवसर : पीएम

सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में असीमित अवसर है। खेल से ही परिवार गांव- शहर और देश की पहचान बनती है। युवा खेल से अपने भविष्य को संवार सकते है। पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अहम काम लिए गए है। 2014 में खेल बजट 1200 करोड़ रुपये था उसे बढ़ाकर अब 3000 करोड़ रुपये किया गया है। इसके साथ खेल सुविधाओं में विस्तार किए गए है उसका परिणाम यह है कि खेल टेली में भारत के खिलाड़ियों के मेडल जीतने की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 2036 भारत ओलंपिक की मेजबानी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस ओलंपिक में आज के वे युवा शामिल होंगे जो अभी 10-12 आयुवर्ग के है। उन्होंने प्रतिभाओं को निखारने का आह्वान किया।

25 वर्षों में बदली ग्रामीण झुंझुनूं की तस्वीर: पीएमजीएसवाई से 2,383 किमी सड़कों का निर्माण, 587 करोड़ खर्च

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

ग्रामीण भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) ने अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस योजना के तहत झुंझुनूं जिले में सड़क कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, जिससे गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सतीश गुप्ता ने बताया कि जिले में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत अब तक कुल 686 कार्यों के माध्यम से 2383.98 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण, उन्नयन, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण किया गया है। इन कार्यों पर पिछले 25 वर्षों में 587.15 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई है, जिससे जिले का सड़क तंत्र अत्यंत मजबूत हुआ है। चरणवार उल्लेखनीय उपलब्धियां पीएमजीएसवाई फेज-1 में जिले की 565 बस्तियों व ढाणियों को जोड़ने के लिए कुल 516 सड़कों में से 510 नवीन सड़कों का निर्माण किया गया। इनकी कुल लंबाई 1356.63 किलोमीटर रही, जिस पर 278.40 करोड़ रुपये खर्च किए गए। साथ ही 64 सड़कों के सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण पर 141.56 करोड़ रुपये की लागत से 536.41 किलोमीटर कार्य पूर्ण हुआ। फेज-2 के अंतर्गत 16 सड़कों के सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण पर 53.82 करोड़ रुपये खर्च कर 111.60 किलोमीटर कार्य पूरा किया गया। वहीं फेज-3 में 29 सड़कों पर 98.20 करोड़ रुपये की लागत से 213.03 किलोमीटर लंबाई का कार्य संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, पीएमजीएसवाई फेज-1 में निर्मित 67 सड़कों के नवीनीकरण हेतु फाइनेंशियल इंसेंटिव योजना के तहत 15.17 करोड़ रुपये व्यय कर 166.31 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया गया।

विकास को मिली नई रफ्तार

पीएमजीएसवाई के माध्यम से झुंझुनूं जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य सड़कों, राज्य व राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ा गया है। इससे न केवल आवागमन सुगम हुआ, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, बाजार और रोजगार तक ग्रामीणों की पहुंच भी सशक्त हुई है। अधिशाषी अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि ग्रामीण विकास की इस यात्रा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना झुंझुनूं जिले के लिए विकास की मजबूत नींव साबित हुई है।

शेखावाटी के पर्वतारोहियों ने 12, 500 फ़ीट की ऊंचाई पर स्थित केदार कंठा चोटी पर फहराया तिरंगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी क्षेत्र के पर्वतारोहियों के एक साहसी दल ने उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित हिमालय पर्वत की 12,500 फीट ऊँचाई पर स्थित केदार कंठा पर्वत शिखर पर पहुँचकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अभियान की शुरुआत जयपुर से 18 दिसंबर 2025 को की गई।पर्वतारोही दल कठिन एवं दुर्गम चढ़ाई के बाद 25 दिसंबर 2025 की अलसुबह केदार कंठा शिखर पर पहुँचा और वहाँ तिरंगा लहराकर शेखावाटी क्षेत्र का नाम रोशन किया।अभियान के तहत दल 20 दिसंबर को नेटवार बेस कैंप से रवाना हुआ। इसके बाद पहला कैंप जलोटा थाच, दूसरा कैंप पुखरौला थाच, तीसरा कैंप अखोटी थाच पार करते हुए पर्वतारोहियों को खराब मौसम, तेज बारिश, बर्फबारी और बर्फीले तूफानों जैसी विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दल ने अदम्य साहस और अनुशासन के साथ अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस पर्वतारोहण दल में लक्ष्मणगढ़ निवासी राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अजय कुमार जांगिड़, मुकुंदगढ़ निवासी सुनील टेलर, नबीपुरा निवासी पंकज ढाका, नवलगढ़ निवासी पिंटू जांगिड़ एवं जयपुर निवासी अनिल धींगड़ा शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि यह दल विगत कई वर्षों से हिमालय क्षेत्र में पर्वतारोहण अभियानों में सक्रिय है। इससे पूर्व विगत वर्ष मैं इसी दल ने हिमालय की 14,500 फीट से अधिक ऊँचाई पर स्थित भृगु लेक चोटी पर तिरंगा फहराकर शेखावाटी क्षेत्र को गौरवान्वित किया था।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने तुलसी पूजन दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में गुरुवार को सुरेका भवन में तुलसी पूजन दिवस श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक चेतना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी, गुरुजी रामनिवास शर्मा, गिरधारी लाल जाजोदिया एवं सुभाष सुरेका के सानिध्य में आयोजित हुआ।पूजा-अर्चना पंडित सुधीर जोशी द्वारा विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ कराई गई। पूजा एवं आरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक दीनदयाल जोशी का जन्मदिवस भी मनाया गया तथा बाबा भूतनाथ श्मशान घाट में कार्यरत महिलाओं को कंबल एवं गर्म जुराबों का वितरण किया गया ।कार्यक्रम में रामनिवास शर्मा ,ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, अमित सोनी, रामपाल कुमावत, सुनील कुमार माली, सहित ट्रस्ट के अनेक संरक्षक पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जाट समाज ने मनाया महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महान योद्धा, कुशल प्रशासक जाट समाज गौरव महाराजा सूरजमल का बलिदान दिवस जाट समाज सीकर की ओर से श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।कार्यक्रम में समाज के जाट समाज के संरक्षक नरेन्द्र धायल वीर तेजा सेवा संस्थान के सावरमल मुवाल ओमजी खीचड़ छाजू राम मंगावा कार्यालय सचिव मोनू गोकलपुरा महेन्द्र नेहरा प्रकाश रजत जाखड़ विजय पंडित नेमीचंद गढ़वाल ओमप्रकाश साहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में समाज की एकता, संगठन एवं सामाजिक चेतना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

बाबा उमद सिंह महाविद्यालय में अटल जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

गुरुवार को बाबा उमद सिंह महाविद्यालय प्रांगण में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती श्रद्धा, सम्मान और सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा झुंझुनूं के तत्वावधान में किया गया, जिसमें किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रतन सिंह तंवर मुख्य अतिथि रहे।कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण के साथ श्रद्धांजलि देने से हुई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं और महाविद्यालय स्टाफ ने उनके राष्ट्रनिर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण किया। मुख्य अतिथि रतन सिंह तंवर ने अपने संबोधन में अटल बिहारी वाजपेई के जीवन, विचारों और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे ऐसे नेता थे, जिन्होंने राजनीति में शुचिता, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने किसानों, युवाओं और देश की एकता-अखंडता के लिए अटल जी द्वारा किए गए कार्यों को प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेश रांगेय, बूथ अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह तंवर, मंडल उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह, व्याख्याता विजय सिंह, सुनील शर्मा, दिनेश शर्मा, सुमेर सिंह हसास सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन राजेश रांगेय ने किया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अटल बिहारी वाजपेई के आदर्शों पर चलने और राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया।

कलेक्ट्रेट सभागार में सुशासन दिवस पर शपथ कार्यक्रम

सुशासन दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित

जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई सुशासन की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सुशासन दिवस मनाया गया। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मानदंड स्थापित करने, शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जनकल्याण केन्द्रित तथा जवाबदेह बनाने और प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव तत्पर रहने की सुशासन शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन शपथ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सुशासन स्थापना के संबंध में दिए गए संबोधन को सुना। कार्यक्रम में एडीएम अजय कुमार आर्य, एडिशनल एसपी देवेंद्र सिंह, विद्युत विभाग के अभियंता महेश टीबड़ा, प्रशासनिक सुधार विभाग की सहायक निदेशक सृष्टि, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक राजेश मील, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र लंबा, निजी सचिव राम सिंह पूनिया, एपीआरओ विकास चाहर, तहसीलदार (भू अभिलेख) राकेश पूनिया सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद की ओर से यहां शंकुतला वाटिका में आयोजित कराई जा रही शिव महापुराण की कथा के लिए गुरुवार को व्यासपीठ की स्थापना कर पूजन किया गया जबकि कथा स्थल पर कलश स्थापना हुई। इससे पूर्व विशाल कलश यात्रा निकाली गई। सुप्रसिद्ध कथा वाचक शिव उपासक डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज व श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर के महंत अशोक दास महाराज के सानिध्य में विशाल कलश यात्रा निकली। कलश यात्रा में दो रथ जिनमें महारश्री व महंत महाराज विराजमान थे वहीं भजन मंडली व बडी तादाद में महिलाएं कलश के साथ यात्रा में शामिल रही। कलश यात्रा बड़े मंदिर से रवाना हुई जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए कथा स्थल शंकुतला वाटिका पहुंची जहां व्यासपीठ की स्थापना व पूजन कर व कलश स्थापना की । कलशयात्रा के साथ भजन मंडली बैंड बाजे , लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद की तीनों इकाईयों के पदाधिकारी सदस्य, प्रवासी व प्रबुद्ध जन भी साथ थे। कथा तीस दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर 1.30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हुई। इससे पूर्व परिषद के पदाधिकारियों की ओर से कथा स्थल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत की तहसील इकाई का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत की तहसील कार्यकारिणी का गठन जिला अध्यक्ष राजेश बाटड़ की उपस्थिति में सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें मनोज कुमार दाधीच को तहसील अध्यक्ष एवं मुकेश कुमार टेलर को तहसील मंत्री मनोनीत किया गया। इस अवसर पर जोगेंद्र सिंह रणवा को महासंघ की जिला इकाई का संरक्षक नियुक्त किया गया। पी एम श्री सावित्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित महासंघ के विभिन्न घटक दलों की इस बैठक में अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।उपस्थित कर्मचारियों को जिला अध्यक्ष राजेश बाटड़ ने संबोधित करते हुए बताया कि महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर समस्त कर्मचारी संवर्गों की विभिन्न मांगों के ध्यानाकर्षण बाबत आगामी 29 दिसंबर को प्रात:10:00 बजे शहीद स्मारक जयपुर में विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें संविदा कार्मिकों का नियमितीकरण, पांचवे एवं छठे वेतनमान की विसंगतियों का निराकरण,समयबद्ध पदोन्नति एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति सहित 15 सूत्री मांगे प्रमुख हैं। इस अवसर पर राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के महावीर पूनिया, हरिराम डोटासरा,प्राध्यापक राकेश मातवा,प्राचार्य रामचंद्र खीचड़,छोटू राम,अशोक राव,मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के राकेश शर्मा, नर्सेज एसोसियन के मनमोहन फगेरिया,ओमपाल सिंह,रमेश कुमार बलारां,कालूराम सहित कई कार्मिक उपस्थित रहे ।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान सीकर का 82वां स्थापना दिवस गुरुवार को संस्थान स्थित रडमल सिंह किसान आडिटोरियम में समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि महेन्द्र चौधरी पूर्व आईजी राजस्थान पुलिस, का? अमराराम सांसद सीकर, रतनलाल मूड़ पूर्व जिला सेशन जज, कर्नल राजेश भूकर, झाबरमल अध्यक्ष ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान सीकर, रामेश्वर जाखड़ पीटीआई, डॉ श्याम महर्षि अध्यक्ष हिंदी व राजस्थानी भाषा, शोध संस्थान श्री डूंगरगढ़, डॉ मदनलाल मीणा इतिहासकार समारोह के अतिथि रहें। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस पर भामाशाहों द्वारा 12 लाख रुपए की सहयोग राशि भेंट की । इस अवसर पर जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर अध्यक्ष गणेश बेरवाल,के डी नेहरा, हरिराम मील, सुरेश थालोड़, बनवारी लाल नेहरा, डॉ यूधवीर सिंह महला, बनवारी लाल बाजियां, सुभाष जाखड़ ऊंकार मल मूड़ आदि उपस्थित रहें।

हाईवे हादसे में भिर्र गांव का सपूत वीरगति प्राप्त', सूबेदार अशोक कुमार मान की दर्दनाक मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

फौजियों के गांव के नाम से पहचाने जाने वाले भिर्र गांव पर गुरुवार को दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर तैनात अशोक कुमार मान (45) की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर हुए इस भीषण हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और हर आंख नम हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार सूबेदार अशोक कुमार मान छुट्टी लेकर ड्यूटी स्थल झांसी के बबीना से अपने पैतृक गांव भिर्र लौट रहे थे। गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे मानपुर थाना क्षेत्र में सीकरी गांव के पास हाईवे किनारे टैक्सी रुकने के दौरान वे सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रेलर उन्हें करीब 100 मीटर तक घसीटता ले गया और उनका शव पहियों के बीच फंस गया। मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया। हादसे के बाद ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है और मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। सूबेदार अशोक कुमार मान का पार्थिव शरीर पोस्टमार्टम के बाद भिर्र गांव लाया जा रहा है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को गांव में पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। अशोक कुमार मान अपने पीछे दो पुत्र–मोहित मान और अंकित मान–को छोड़ गए हैं। गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक हर कोई इस असमय निधन से स्तब्ध है। भिर्र गांव, जिसने देश को अनेक वीर सपूत दिए हैं, आज अपने एक और जांबाज बेटे को नम आंखों से अंतिम विदाई देगा।

मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों के समर्थन में खड़ा रहूंगा: बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद इंग्लैंड क्रिकेट टीम मैदान पर लगातार निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से आलोचना का सामना तो कर ही रही है, दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच कुछ खिलाड़ियों के ज्यादा शराब पीने की वजह से भी विवादों में है। विवादों के बीच इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अपनी टीम के समर्थन में आए हैं। मेलबर्न टेस्ट से पहले बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं इस पल को अभी कैसे संभालता हूं, यह मेरे लिए सबसे जरूरी है। वहां मौजूद सभी लोगों और शायद कुछ खास लोगों की भलाई मेरे लिए अभी इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर सबसे जरूरी है। इस तरह की चीजें, मुझे नहीं पता कि मेरे करीब सही शब्द हैं या नहीं, लेकिन कुछ ऐसा है जिसका मुझे खुद अनुभव है कि यह लोगों पर कैसे असर डाल सकता है। इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा काम अपने खिलाड़ियों को जितना हो सके उतना बचाना है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें पता चले कि उन्हें मेरा समर्थन है क्योंकि मेरे लिए सबसे जरूरी चीज, अभी यहां बैठे हुए, खिलाड़ियों का एक ग्रुप है जिन्हें मैं इस देश और इस ट्रिप के बाकी हिस्से के लिए बाहर जाकर परफॉर्म करने की कोशिश करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में ला सकूं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई थी। इसे 'स्टैग डू' के नाम से प्रचारित किया गया है। इसमें कुछ खिलाड़ी शराब पीते हुए दिखे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अभी इंग्लिश टीम के शराब पीने के कल्चर के दावों की जांच कर रहा है, जब बेन डकेट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे नशे में दिख रहे थे। इंग्लैंड क्रिकेट टीम एशेज 2025-26 के शुरुआती तीन टेस्ट गंवाकर सीरीज हार चुकी है। इंग्लैंड के खेलने के तरीके पर सभी सवाल उठे हैं। इंग्लैंड के कप्तान का अगला लक्ष्य सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना है।

जोफ्रा आर्चर एशेज से बाहर, मेलबर्न टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित

मेलबर्न, एजेंसी । एशेज सीरीज हार चुकी इंग्लैंड को सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से पहले बड़ा झटका लगा है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में गस एटकिंसन को जगह दी गई है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज के बाकी दोनों टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। जोफ्रा ने एडिलेड में गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी की थी और पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। उनका बाहर होना निश्चित तौर पर इंग्लैंड की मुश्किलों को और बढ़ाने वाला है। मेलबर्न टेस्ट के लिए गस एटकिंसन की इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है।

खेल पेशेवरों के लिए नई इंटर्नशिप नीति लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नई नीति के तहत, युवा मामले और खेल मंत्रालय और इसके प्रमुख संस्थानों में सालाना 452 इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को खेल ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए संरचित, बड़े पैमाने का मंच बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक इंटर्नशिप नीति लॉन्च की। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, 'भारत के खेल ईकोसिस्टम में बदलाव के लिए कुशल पेशेवरों और युवा प्रतिभाओं की ओर से समर्थित मजबूत संस्थागत समर्थन की जरूरत है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए हम युवाओं के लिए खेल शासन और प्रशासन के द्वार खोल रहे हैं, जिससे वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें और खेलों के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकें। 'डॉ. मांडविया के अनुसार, यह कार्यक्रम पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है। भारत अपने स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहा है, गवर्नेंस सुधारों को मजबूत कर रहा है और खेल की दुनिया में अपनी पहचान बढ़ा रहा है।

यह पहल युवाओं को भारत की खेल यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल नीति और खेलो भारत नीति 2025 के उद्देश्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जिसमें युवा सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण और खेल प्रशासन के व्यवसायीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति भारत के उस दूरगामी दृष्टिकोण का समर्थन करती है.

बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने रचा इतिहास

लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया

रांची, एजेंसी। रांची के जेएससीए ओवल ग्राउंड में विजय हजारे ट्रॉफी के अंतर्गत बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बीच मुकाबले में बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गनी ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सकिबुल गनी ने मात्र 32 गेंद पर शतक लगाया। लिस्ट ए क्रिकेट का ये सबसे तेज भारतीय शतक है। सकिबुल गनी ने 40 गेंदों पर 12 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 128 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने भी बुधवार को कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंद पर शतक लगाया। किशन ने 39 गेंद पर 14 छक्कों से सजी 125 रन की पारी खेली।

लिस्ट ए क्रिकेट में अनमोलप्रीत सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 21 दिसंबर 2024 को 35 गेंद में शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी ने इसी मैच में 36 गेंद पर शतक लगाया है। युसूफ पठान ने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ 10 गेंदों पर शतक लगाया है।

बिहार ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 6 विकेट पर 574 रन बनाए। कप्तान सकिबुल गनी के अलावा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए आयुष लोहारुका ने भी शतक लगाया। पारी की शुरुआत करने आए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 84 गेंदों पर 15 छक्के और 16 चौकों की मदद से 190 रन की पारी खेली। वैभव के पास दोहरा शतक लगाने का पूरा मौका था, लेकिन वह 27वें ओवर की चौथी गेंद पर आउट हो गए। वहीं आयुष ने 56 गेंदों पर 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 116 रन बनाए। इसके अलावा पीयूष सिंह ने 66 गेंदों पर 77 और मंगल महरोर ने 43 गेंदों पर 33 रन बनाए। लिस्ट ए क्रिकेट में पूर्व का सबसे बड़ा स्कोर तमिलनाडु के नाम था। तमिलनाडु ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 2022 में 2 विकेट पर 506 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड है। नीदरलैंड के खिलाफ 2022 में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 498 रन बनाए थे। सरे ने ग्लौक्स के खिलाफ 2007 में 4 विकेट पर 496 रन बनाए थे।

लिस्ट ए में अब सरे चौथे नंबर पर चली गई है। इंग्लैंड पांचवें नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 2018 में 6 विकेट पर 481 रन बनाए थे।

भारत-न्यूजीलैंड:

भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, केन विलियमसन को आराम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। ब्लैककैप्स इस बार तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेलने भारत आएंगे। हालांकि टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, क्योंकि स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन इस सीरीज में आराम पर रहेंगे। इसके साथ ही टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल कर न्यूजीलैंड ने युवा प्रतिभाओं को मौका दिया है, जो इस दौरे को और रोमांचक बनाने वाले हैं।

न्यूजीलैंड ने अनकैप्ड लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर जेडन लेनॉक्स को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क, आदी अशोक, जोश क्लार्कसन और निक केली को भी वनडे स्क्वॉड में जगह दी गई है। हाल ही में टेस्ट डेब्यू करने वाले माइकल रे को भी टीम में शामिल किया गया है।

केन विलियमसन क्यों नहीं हैं टीम में

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ इस व्हाइट-बॉल सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दरअसल, वह आईपीएल में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण उपलब्ध नहीं हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने स्पष्ट किया कि विलियमसन वनडे चयन के लिए अनुपलब्ध रहे।

कोच रॉब वॉल्टर ने क्या कहा

हेड कोच रॉब वॉल्टर ने जेडन लेनॉक्स को लेकर कहा कि टीम मैनेजमेंट काफी समय से उन पर नजर रखे हुए था। उन्होंने घरेलू व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूजीलैंड 'ए' टीम के लिए भी अहम अनुभव हासिल किया है। वॉल्टर के मुताबिक, लेनॉक्स में ब्लैककैप्स के लिए नियमित प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है।

अन्य अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

चोट के चलते नाथन स्मिथ (साइड स्ट्रेन), ब्लेयर टिकनर (कंधा) और मार्क चैपमैन (टखना) को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, मार्क चैपमैन के टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं, बेन सियर्स भी अभी रिकवरी में हैं, जिस वजह से उन्हें वनडे स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की वनडे टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम—

पहला वनडे: 11 जनवरी 2026
दूसरा वनडे: 14 जनवरी 2026
तीसरा वनडे: 17 जनवरी 2026

वनडे के बाद टी20 सीरीज—

पहला टी20: 20 जनवरी 2026
दूसरा टी20: 22 जनवरी 2026
तीसरा टी20: 24 जनवरी 2026
चौथा टी20: 26 जनवरी 2026
पांचवां टी20: 28 जनवरी 2026

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप:

रमिता-हिमांशु का शानदार प्रदर्शन

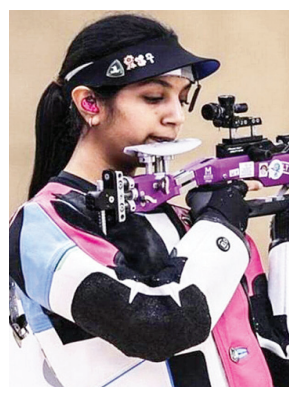

भोपाल, एजेंसी। रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ही ढिल्लों का दबदबा कायम रहा, जिन्होंने सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड बनाया था। दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 की जीत के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोहित-कोहली के बाद अब शुभमन गिल भी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के बाकी हिस्से में घरेलू क्रिकेट में व्यस्त नजर आएंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम से बाहर किए जाने और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का बड़ा हिस्सा मिस करने के बाद गिल को पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 टीम में शामिल किया गया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शेष दो मुकाबले भी खेलेंगे।

विजय हजारे के दो मैच, फिर रणजी में वापसी

एक रिपोर्ट के अनुसार, गिल अगले साल विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैच खेलेंगे–3 जनवरी को सिक्किम और 6 जनवरी को गोवा के खिलाफ, दोनों मुकाबले जयपुर में होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। वहीं, जब भारत टी20ढ्ढ सीरीज खेलेगा, तब गिल पंजाब के लिए सफेद जर्सी में रणजी ट्रॉफी के ग्रुप मैच खेलते दिखेंगे। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फिर से आगाज 22 जनवरी से होगा, जब पंजाब ग्रुप-बी में राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में सौराष्ट्र से भिड़ेगा। इसके बाद 29 जनवरी से मल्लनपुर में कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला होगा। फिलहाल पंजाब 5 मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है और सिर्फ एक जीत दर्ज कर सका है। अगर टीम अपने बचे दोनों मैच जीतती है, तो क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनी रह सकती है। नॉकआउट चरण 6 फरवरी से शुरू होना है–ऐसे में गिल का टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी रणजी खेलना संभव है। टेस्ट में 2025 के टॉप रन-स्कोरर बनने की दहलीज पर गिल

शुभमन गिल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की ओर बढ़ रहे हैं। 9 टेस्ट में उन्होंने 70.21 की औसत से 983 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कप्तान के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन खास रहा। हालांकि बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद जो रूट, ट्रैविस हेड, एलेक्स केरी, हैरी ब्रूक और बेन डकेट उनके आंकड़े के करीब पहुंच सकते हैं, लेकिन फिलहाल बढ़त गिल के पास है।.

वैभव सूर्यवंशी का 36 गेंद पर शतक

विजय हजारे ट्रॉफी में 14 साल के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 कमाल का साबित हो रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म था जहां उनका शतक आना बाकी था इस साल। अब यह भी 14 साल के बल्लेबाज ने कर दिखाया है। बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहले मुकाबले में 36 गेंद पर शतक ठोक दिया। यह लिस्ट ए में किसी भी भारतीय का दूसरा सबसे तेज शतक है। वैभव ने 84 गेंद पर 190 रन बनाए जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। ओवरऑल लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी शाहिद अफरीदी से आगे निकल गए हैं। इस लिस्ट में दिग्गज एबी डिविलियर्स दूसरे स्थान पर हैं और टॉप पर हैं ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क जिन्होंने 29 गेंद पर लिस्ट ए में अब तक का सबसे तेज शतक ठोका था। वैभव लिस्ट ए में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने जिन्होंने 14 साल 272 दिन की उम्र में यह कारनामा किया।

वैभव सूर्यवंशी के लिए लाजवाब 2025

14 साल के भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 किसी सपने से कम नहीं रहा है। आईपीएल में पहला एक्सपोजर मिला वहां उन्होंने आतिशी शतक ठोक सुर्खियां बटोरीं। उसके बाद यूथ वनडे, यूथ टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और इस दौरे पर भी शतक ठोका। फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यूथ सीरीज में शतक लगाया। इंडिया ए के लिए एशिया कप में शतक ठोका, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शतक लगाया उसके बाद अंडर 19 एशिया कप में भी उन्होंने शतक लगाया, उसके बाद अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ यह पारी खेलते हुए अपना नाम खास रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल कर लिया।

सूर्यकुमार यादव के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं न्यूजीलैंड सीरीज, बयानों से नहीं बल्ले से देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। यह वह लाइन है, जिस पर सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से बार-बार भरोसा जताते रहे हैं.

मानो इसे ज़ोर से कहने से उनके पैरों के नीचे की ज़मीन स्थिर हो जाएगी. उन्होंने पहली बार यह बात सितंबर में एशिया कप की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी, जब बातचीत का रुख पहले ही बदलने लगा था. इसके बाद उन्होंने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद भी यही दोहराया. हर बार संदेश एक जैसा और थोड़ी राहत देने वाला था. मेहनत सही है, इरादा नहीं बदला है और रन अपने समय पर आ जाएंगे.

पहले सूर्या ने कहा, 'मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहा हूं. जो मेरे नियंत्रण में है, वह सब कर रहा हूं.' फिर उन्होंने कहा, 'जब रन आने होंगे, तो ज़रूर आएंगे. मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे हैं.' आखिरकार रविवार को उनका लहजा और तीखा हो गया. जब उन्होंने कहा, 'मेरे 14 सैनिक फिलहाल मुझे कवर कर रहे हैं. उन्हें पता है, जिस दिन मैं फट पड़ा, क्या होगा.'

कियारा आडवाणी ने टॉक्सिक में अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत खास बताया।

टॉक्सिक में रोल को लेकर कियारा का खुलासा

फिल्म टॉक्सिक में नादिया का रोल निभा रही कियारा आडवाणी ने एक्स पर एक नोट लिखा, यह रोल मुझसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत कुछ मांगता था। मेरे लिए यह पूरी तरह बदलाव लाने वाला अनुभव रहा। अब तक का मेरा सबसे मुश्किल रोल। महीनों की मेहनत। एक निडर छलांग। इस फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सबकुछ है। मैं शब्दों से ज्यादा आभारी हूं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट

हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने कियारा का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कियारा को स्टाइलिश गाउन में दिखाया गया, जो फर्श तक लंबी और ऊंची स्लिट वाली है। वह चमकदार स्टेज पर आत्मविश्वास से खड़ी नजर आई। बैकग्राउंड में सर्कस जैसा माहौल दिखा। उनके चेहरे पर ग्लैमर के साथ दुख और उदासी के भाव नजर आए।

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

यश की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे गीतु मोहनदास ने निर्देशित किया है। प्रोडक्शन वीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने किया है। यह कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। बाद में इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में डब किया जाएगा। यह कन्नड़ सुपरस्टार यश की सुपरहिट फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 (2022) के बाद पहली फिल्म है। कियारा को हाल ही में वॉर 2 में देखा गया था, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे।

राशा थडानी से अहान पांडे तक

इस साल इन स्टार किड्स ने किया डेब्यू

इस साल कई नए सितारों ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखे। चर्चित सितारों के बच्चों के डेब्यू ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। जनवरी में फिल्म आजाद की रिलीज के साथ ही यह सिलसिला शुरू हो गया था और सालभर चला। मगर, बॉक्स ऑफिस पर कौन अपना दम दिखा पाया?

राशा थडानी

इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म आजाद के जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने इंडस्ट्री में कदम रखे। सिर्फ उन्होंने ही नहीं, बल्कि उनके साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन ने भी डेब्यू किया। मगर, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं रही। हालांकि, राशा ने अपने आइटम नंबर ऊई अम्मा से जरूर सुर्खियां बटोरीं।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान जहां बॉलीवुड में स्थापित हो चुकी हैं, वहीं इस साल उनके बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां से डेब्यू किया था। हालांकि, इब्राहिम का यह ओटीटी डेब्यू था। मगर फिल्म को काफी नेगेटिव रिव्यू मिले।

आर्यन खान

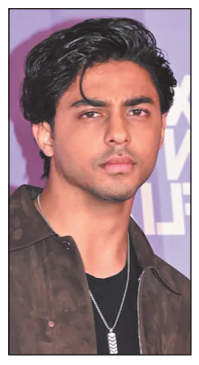

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने भी इस साल डेब्यू किया। हालांकि, उन्होंने प्लेटफॉर्म ओटीटी चुना। उन्होंने सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए बतौर निर्देशक डेब्यू किया। उन्हें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आर्यन दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे।

अहान पांडे

इस साल का सबसे धमाकेदार डेब्यू अहान पांडे ने किया। एक्टर चंकी पांडे के भतीजे ने फिल्म सैयारा के जरिए धूम मचा दी। बता दें कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा की भी बतौर मुख्य कलाकार यह पहली फिल्म थी। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा छा गई और 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ली।

शनाया कपूर

एक्टर संजय कपूर की बिटिया शनाया कपूर ने भी इसी साल अभिनय की दुनिया में बोहनी की। उन्होंने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू किया। इसमें वे विक्रांत मैसी के अपोजिट नजर आईं। मगर, कमाई के मामले में फिल्म फुस्स साबित रही।

खुशी कपूर और जुनैद खान

फिल्म लवयापा के जरिए आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इससे पहले जुनैद ओटीटी पर फिल्म महाराज में नजर आए थे और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। वहीं, खुशी कपूर ओटीटी पर आई फिल्म द आर्चीज में नजर आ चुकी थीं। बड़े पर्दे पर रिलीज हुई दोनों सितारों की पहली फिल्म लवयापा फ्लॉप रही।

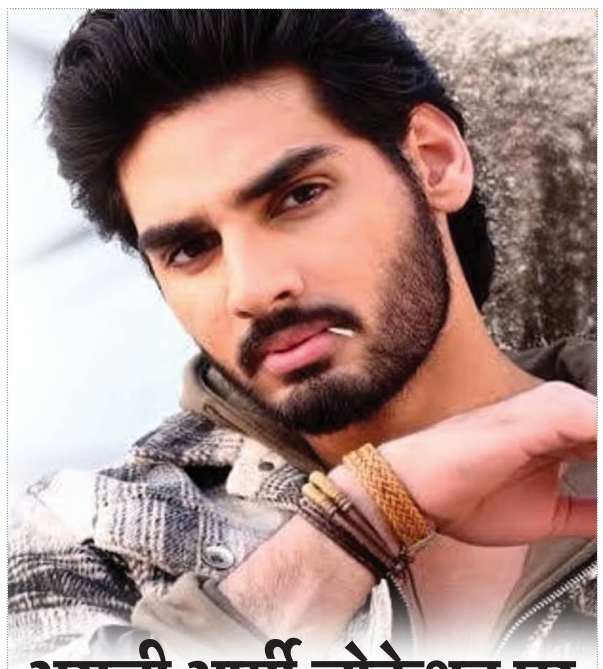

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देओल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म तड़प के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब बॉर्डर 2 उनके करियर के लिए अहम है। फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विजुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है। शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है। असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था। बता दें कि बॉर्डर 2 में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म बॉर्डर में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

इक्कीस ने मुझे बदल दिया

अगस्त्य नंदा ने सुनाए शूटिंग के किस्से

फिल्म ' इक्कीस' की रिलीज से फिल्म के मुख्य अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म को लेकर बात की। मीडिया से बातचीत में अगस्त्य ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव, डर, सीख और निजी यादों को खुलकर साझा किया। इस दौरान एक्टर ने धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात से लेकर शूटिंग के दौरान उठाए गए जोखिम, अपने चार साल के सफर और परिवार से मिली सीख तक के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक गहरा और निजी अनुभव रही है।

ऐसे हुई धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए अगस्त्य ने बताया कि जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, उसी दिन धर्मेंद्र जी का जन्मदिन था। मुझे लगा कि खुद को उनसे मिलवाने का सबसे सही तरीका यही होगा कि जाकर उनका आशीर्वाद लिया जाए। उस दिन श्रीराम सर, दिनेश सर, बिनी और मैं उनसे मिलने गए थे। सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनसे क्या कहूं और कैसे बात करूं। लेकिन वह बेहद गर्मजोशी से मिले। उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और वह पल मेरे साथ हमेशा के लिए जुड़ गया।

फिल्म के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला

फिल्म 'इक्कीस' के सफर के बारे में अगस्त्य ने कहा कि सच कहूं तो इस फिल्म की शुरुआत करने को लेकर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं खुद को एक बिल्कुल अलग इंसान महसूस करता हूं। जब मैंने यह फिल्म शुरू की थी, तब मैं सिर्फ 21 साल का था और आज मैं 25 का हूं। उस वक्त मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैं इतना कुछ सीखूंगा या इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। यह फिल्म मेरे लिए सच में एक मजबूत नींव बन गई है। ऐसी नींव, जिसे मैं आगे हर फिल्म में अपने साथ लेकर जाऊंगा। चाहे वह अभिनय से जुड़ा हो या फिर सेट पर रहने के नजरिए से। दिनेश सर से जो मार्गदर्शन मुझे मिला, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

जोखिम भरी रही फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए नवोदित कलाकार ने कहा कि शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल आए जब सच में लगता था कि कुछ भी हो सकता है। हमने ये टैंक खुद बनाए थे, इसलिए वे काम करने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित नहीं थे। फिल्म के दूसरे हिस्से में कुछ एक्शन सीन बहुत जोखिम भरे हैं। हमने ऐसे मूवमेंट किए जो असली टैंक करते हैं। हमने काफी रिहर्सल की थी, लेकिन फिर भी डर बना रहता था। खासकर तब, जब टैंक 20 या 30 फीट की ऊंचाई पर मुड़ता था। उस वक्त सच में डर लगता था कि कहीं वह पलट न जाए। इसके अलावा धमाके हो रहे थे। हर चीज की टाइमिंग बिल्कुल सही होनी थी और टैंक को ठीक उसी पल रुकना था। यह सब आसान नहीं था। शुक्र है कि कुछ गलत नहीं हुआ।

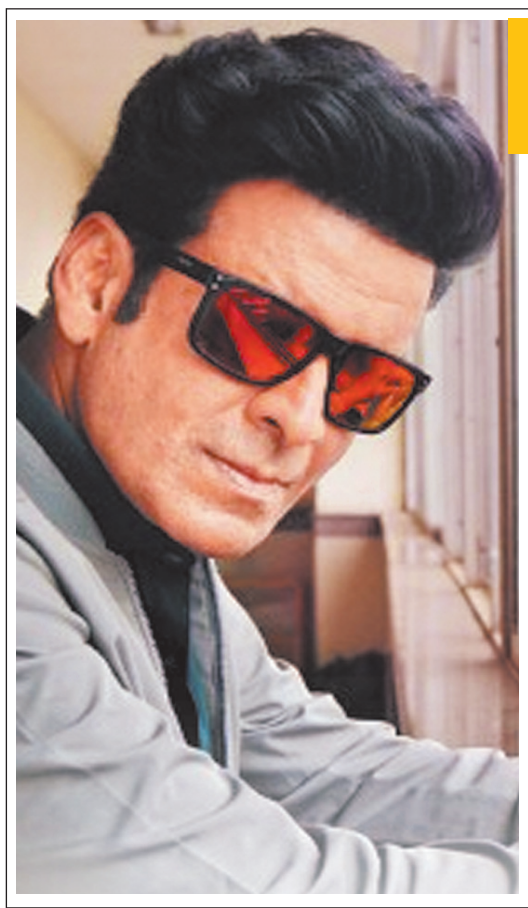

बच्चों से कुछ न छुपाएं, वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं

मुंबई का किंग कौन यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी अनेक बार साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है। अब यह कद्दावार अभिनेता अपने 30 साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुका है। इस मुलाकात में वह अपने करियर, पैरंटिंग और जिंदगी के सबक की गिरहें खोलने में जरा भी नहीं हिचकिचाते।

सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता झपरेशान हैं। पैरंटिंग पर आपकी राय क्या है?

आप जहां भी जाएंगे, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएगा। यह आपको नहीं छोड़ने वाला तो इसे हैंडल करना होगा। जैसे मेरी बेटी आवा हॉस्टल में रहती है। वहां वह मॉनिटरिंग में रहती है, लेकिन जब वह घर आती है तो उसकी मां उसे फोन दे देती है। मैं यही कहूंगा कि बैन मत करिए, नजर रखिए। जितना आप उन पर रोक-टोक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपाते जाएंगे। पैरंटिंग का जो सिद्धांत है, वह शबाना (पत्नी) बहुत अच्छे-से जानती हैं और समझती हैं। आवा अपनी मां से कोई बात छुपाती नहीं। आवा कोई बात बाहर किसी दूसरे से सुने और असमंजस में पड़े, इससे पहले ही उसकी मां वे तमाम बातें उसे बता चुकी होती है। बच्चों के साथ आपको खुलकर बात करनी पड़ेगी। इस समझदारी के साथ पैरंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का दिमाग जब तक विकसित नहीं होता, तब तक उसे संभाल कर रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। मगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-सुन और पढ़ रहे हैं। आवा किसी से कुछ भी छुपा ले, मगर मां से कुछ नहीं छुपाती।

क्या आप अपनी वेब सीरीज के टाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फैमिली मैन हैं?

यह जोर से मत कहिए! मेरी पत्नी ने सुन लिया तो आपको तुरंत बता देंगी कि यह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूं तो मुझसे शिकायतों का सिलसिला चलता रहता है। पर हां, जब काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूं। तब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी कहने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर कब जाओगे? घर पर रहकर बहुत तंग करते हैं। मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से कितना प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा साथ नहीं देता, मगर शूटिंग करने में अब भी उतनी ही खुशी मिलती है। हां, शूटिंग के बाद परिवार संग रहना जरूरी है। मैं कहीं विदेश में शूटिंग करूं और परिवार साथ न हो तो मुझे यही बुरा लगता है कि वे इस नए देश को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे। मैं ऐसा ही इंसान हूं, मगर कमियां बहुत हैं, जो मेरी पत्नी बेहतर बताएंगी।

30 साल के सफर को पलट कर देखते हैं तो कैसा लगता है?

मैं पीछे मुड़कर देखता ही नहीं। यह मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि बीती बातों में नहीं उलझता क्योंकि वहां अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदला, चीजें बदलीं, समाज बदला और इंडस्ट्री भी लगातार बदलती गई। अब द्ध जिस रफ़्तार से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है और बदलेगा भी। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक्त के साथ खुद को बदलना। बदलाव के साथ तालमेल बैठाकर आगे बढ़ना और अच्छा काम करना- यही मुझे आता है और यही मैं करता आया हूं। उसी में बेहतर करने की कोशिश करता हूं ताकि नई पीढ़ी के साथ कदमताल बनी रहे। अगर किसी चीज में मैं बुरा हूं और मुझे कोई चीज नहीं आती तो मैं उसके लिए किसी को हायर कर लेता हूं। इसके पीछे मेरी सोच यही होती है कि मेरा काम होता रहे और मैं अभिनय करता रहूं।

किस चीज को खोने का दुख सताता है?

अगर इमोशनल तौर पर सोचूं तो मैंने क्या खोया? मैंने खोया है, माता-पिता का साथ। मैं 9 साल की उम्र में हॉस्टल चला गया था और तब से उनके साथ रह ही नहीं पाया। फिर दिल्ली चला गया जबकि वे गांव में थे। जब वे दिल्ली आए, तब तक मैं मुंबई आ चुका था। उनके अंतिम दिनों में जो साथ और जिम्मेदारी मेरे भाई-बहनों ने निभाई, वह मेरा हिस्सा ही नहीं बन सका। मैं उनसे दूर था। आप ऐसी यात्रा पर निकलते हैं तो इस तरह के त्याग के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपको बहुत कुछ खोना पड़ेगा।

आपके जिंदगी के सबक क्या हैं?

मुझे लगता है कि किसी दूसरे को अपनी जिंदगी का निर्धारण न करने दें और न ही उससे प्रभावित होइए क्योंकि आपको लेकर उनकी राय लगातार बदलती रहती है। आपको खुद के और आपके आसपास के लोगों के अलावा कोई नहीं जानता। यही वजह है कि मैं हर अभिनेता से यह कहता हूं कि शुक्रवार से डरो मत। अगर यह शुक्रवार बुरा गया है तो अगला अच्छा जाएगा और फिर आपके बारे में उनकी राय बदल जाएगी। लोगों की राय कभी भी एक जैसी नहीं रहती। इसलिए लोगों की राय पर अपना जीवन न चलाएं। जो मन में हो वही करें, पर यह जरूर देखें कि उससे किसी दूसरे को तकलीफ़ न हो ।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के डेलावेयर में फायरिंग, पुलिसकर्मी और संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेलावेयर में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को विलमिंगटन के पास एक मोटर वाहन एजेंसी में हुई गोलीबारी में संदिग्ध बंदूकधारी के साथ डेलावेयर राज्य का एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई। राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोपहर 3 बजे से पहले ही खतरा टल गया था और वे अन्य चोटों का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। बयान में कहा, 'राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों का समन्वय कर रही हैं।'

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमले में 5 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने एक पुलिस वैन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मारे गए। यह घटना करक जिले में उस समय घटी जब पुलिस अधिकारी नियमित गश्त पर थे। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सऊद खान ने बताया कि वैन में सवार सभी पांच पुलिसकर्मी हमले में मारे गए हैं। पुलिस की भारी टुकड़ी मौके पर पहुंची, इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाना शुरू कर दिया। हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। करक जिले की पुलिस और आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) की टीमों ने भी हत्या में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया। पहाड़ी इलाके में पीछा करने के दौरान टीमों का आतंकवादियों से सामना हुआ, जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जबकि उनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' और 'निंदनीय' बताया।

पोलैंड की कोयला खदान में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

वॉरसॉ, एजेंसी। पोलैंड में ज़ियोवेक कोयला खदान में भूमिगत विस्फोट के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। खदान संचालक कंपनी जेएसडब्ल्यू के अनुसार, सोमवार शाम 5 बजे खदान में अचानक मीथेन गैस और चट्टानों का तेज उभार हुआ। उस समय 10 मजदूर काम कर रहे थे। घटना के बाद आठ मजदूर बाहर निकल आए, जबकि दो फंस गए। करीब सात घंटे बाद दोनों को बाहर लाया जा सका, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उत्तरी कैलिफोर्निया में अचानक आई बाढ़ से एक की मौत

सैक्रामेंटो , एजेंसी। उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर पानी भर गया, कई जगहों पर लोगों को वाहनों और घरों से रेस्क्यू करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेडिंग शहर में एक वाहन चालक की मौत हो गई। मेयर माइक लिटाउ के मुताबिक, व्यक्ति ने 911 पर कॉल किया था, जब उसकी कार पानी से भरने लगी। पुलिस अधिकारी पानी में तैरकर मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला, लेकिन सीपीआर के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

ब्रिटेन में 56 यौन अपराधों का आरोपी किया गया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में फिलिप यंग (49) नामक शख्स पर अपनी पूर्व पत्नी जोआन यंग (48) को 13 वर्षों तक नशा देकर दुष्कर्म करने सहित 56 यौन अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलिंग पर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न के लिए नशीला पदार्थ देने, वोयरिज्म, बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें रखने और आपत्तिजनक सामग्री के कब्जे जैसे गंभीर मामले आरोप हैं। यह घटनाएं 2010 से 2023 के बीच की बताई जा रही हैं।

अमेरिका में नर्सिंग होम में धमाका, इमारत का हिस्सा ढहा; कई लोग घायल

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में फिलाडेल्फिया के पास ब्रिस्टल हेल्थ एंड रिहैब सेंटर नाम के नर्सिंग होम में मंगलवार दोपहर जोरदार धमाका हो गया। धमाके से इमारत का एक हिस्सा ढह गया और कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की भी आशंका है। धमाका स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 2:17 बजे हुआ। इससे पहले नर्सिंग होम में गैस की गंध की शिकायत मिली थी, जिसके बाद गैस कंपनी की टीम जांच के लिए पहुंची थी। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया। घटनास्थल से काला धुआं उठता देखा गया।

जल जीवन मिशन के पाइप चुराने वाले 3 पकड़े:कुम्भाराम लिफ्ट परियोजना में लगने आए थे, 12 लाख कीमत के पाइप खेत से चुराए

झुंझुनूं

झुंझुनूं पुलिस ने जल जीवन मिशन के तहत चल रही कुम्भाराम लिफ्ट परियोजना में सेंध लगाने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। चिड़ावा थाना पुलिस, डीएसटी और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गांव पिचानवा से रातों-रात 100 पाइप चोरी करने के मामले में अलवर निवासी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 10 से 12 लाख रुपए की कीमत के पाइप बरामद कर वारदात में इस्तेमाल किया गया ट्रक और एक आई-10 कार भी जब्त कर ली है।

250 किलोमीटर तक पीछा किया

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से जांच शुरू की। साइबर सेल के हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र थाकन और चिड़ावा थाने के कॉन्स्टेबल अमित सिहाग ने करीब 250 किलोमीटर के दायरे के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

प्रशासन जनता के प्रति पूरी तरह जवाबदेह: उपायुक्त विवेक भारती

गांव गुल्लरवाला में डीसी-एसपी का रात्रि प्रवास, जनता की समस्याओं पर त्वरित एक्शन

राशन कार्ड, बिजली, पेंशन व सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर डीसी ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जाखल/कुला।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी पहल रात्रि प्रवास कार्यक्रम के तहत उपायुक्त डॉ. विवेक भारती और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बुधवार रात्रि को गांव गुल्लरवाला में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित विभागों को त्वरित समाधान के निर्देश जारी किए। रात्रि प्रवास के दौरान ग्रामीणों ने जाखल-भूना रोड पर व्हाइट पट्टी (सड़क मार्किंग) न होने की शिकायत उठाई। इस पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दो दिन के भीतर सड़क पर व्हाइट पट्टी लगाने और इसकी अनुपालन रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में भेजने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे और धुंध के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाती है, ऐसे में व्हाइट पट्टी का न होना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकता है। इसलिए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि सड़क सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। उपायुक्त ने इस सड़क के अलावा भी अन्य सभी सड़कों पर जहां व्हाइट पट्टी नहीं है, उन्हें लगवाने के निर्देश दिए। ग्राम सचिवालय में कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा जागरूकता स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं, सेवाओं और विभागीय उपलब्धियों की जानकारी दी गई। शिविर में 26 से अधिक समस्याएं सामने आईं, जिनमें राशन कार्ड, बिजली बोर्ड, पेंशन, लाल डोरा रजिस्ट्री, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रशासनिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। उपायुक्त ने सभी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए और कहा कि समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रामीणों की मांग पर उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को गांव में विशेष स्वास्थ्य जांच कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों का मेडिकल चेकअप और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मौके पर उपलब्ध कराई जा सकें। इसके साथ ही उपायुक्त ने भारत सरकार की डिजिटल कृषि क्रांति एग्री स्टैक योजना के तहत किसानों को एग्री स्टैक आईडी बनाने के लिए आयोजित विशेष कैंपों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल आईडी के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं, कृषि सेवाओं और बाजार से जुड़ी सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

इसी दौरान ग्राम सरपंच कमलदीप ने गांव में पीने के पानी की पुरानी पाइप लाइनों को बदलवाने, गांव में बस सेवा शुरू करने, खेल मैदान में एथलेटिक्स ट्रैक बनवाने, गांव में डिस्पेंसरी खोलने, युवाओं के लिए आधुनिक जिम बनवाने, तालाब के नवीनीकरण कार्य को पूरा करवाने की मांग रखी। सरपंच की मांगों पर उपायुक्त ने तुरंत संज्ञान लिया और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, परिवहन, खेल, स्वास्थ्य, आयुष और पंचायत विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ये सभी जनहित कार्य प्राथमिकता से पूरे कराए जाएँ। उपायुक्त ने कहा कि रात्रि प्रवास कार्यक्रम सरकार और प्रशासन की संवेदनशील सोच का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जहां जनता की आवाज़ सीधे सुनी जाती है और समाधान तुरंत धरातल पर उतारा जाता है। डीसी ने कहा कि प्रशासन का एकमात्र उद्देश्य नागरिकों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ देना और बेहतर जीवन सुविधाएं सुनिश्चित करना है। यह जनता और प्रशासन के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी है और इसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे भी जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, एडीसी अनुराग ढालिया, टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा, सीईओ जिला परिषद सुरेश कुमार, डीडीपीओ अनुप सिंह, डीआरओ श्याम लाल, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीएफएससी विनीत जैन, डीडीए राजेश सिहाग, कार्यकारी अभियंता देवेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार रशवेंद्र सिंह, संदीप जांगड़ा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सदस्य उपस्थित रहें।

टोहाना के मॉडल के. एम. विद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा डांगरा गांव में एनएसएस का नशा मुक्ति अभियान सरपंच उर्मिला मुंड ने किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मॉडल के. एम. विद्यालय टोहाना में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन वीरवार को स्वयंसेवकों द्वारा पुरूषोत्तम चंद अग्रवाल पार्क डांगरा में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच उर्मिला मुंड द्वारा की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए डांगरा गांव में नशा मुक्ति अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गांव की सरपंच उर्मिला मुंड ने शिरकत की।स्वयंसेवकों ने रैली और नारों के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। सरपंच उर्मिला मुंड ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि परिवारों को भी आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़ देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की और सभी को नशा न करने की शपथ दिलाई। नशा मुक्ति अभियान भारत सरकार का सबसे महत्त्वपूर्ण अभियान है राज्य सरकारों ने भी नशा मुक्ति पर विशेष ध्यान दिया है, जिसमें विभिन्न मुद्दों के लिए आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यक्रम तथा कार्यनीति बनाई गई है। मिशन को पूरा करने के लिए संकेन्द्रित कार्यक्रम के जरिए राज्य सरकारों के प्रयासों को सफल बनाने में भारत सरकार की अहम भूमिका है। एक-एक कड़ी को जोड़ कर ही अभियान को मजबूत किया जाता है। इस कड़ी के रूप में स्वयंसेवकों ने कहा कि हम भी इस अभियान का हिस्सा है और इसे सफल बनाने में पूरा योगदान करेंगें। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए0एन0 बहुगुणा, तरसेम कुमार, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, नीति मेहता, अनिल, धर्मवीर व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

नारनौल में 28 दिसंबर को डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' के दोहा संग्रह 'शब्द यथार्थ' का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़

नारनौल। परिवर्तनकारी साहित्य मंच जिला महेन्द्रगढ़, नारनौल के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' के नवीन दोहा संग्रह 'शब्द यथार्थ' का भव्य विमोचन समारोह आगामी रविवार, 28 दिसंबर 2025 को पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम अम्बेडकर भवन, मालवीय नगर, नारनौल में संपन्न होगा। आयोजकों के अनुसार समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक व चिंतक ताराचरण गौतम (जोधपुर) होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य, उच्चतर शिक्षा हरियाणा सुमेर सिंह यादव करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भगत के सहायक आचार्य डॉ. अरविंद सिंह तेजावत तथा दैनिक भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार उपस्थित रहेंगे।

दोहा संग्रह 'शब्द यथार्थ' समकालीन सामाजिक यथार्थ, संवेदनाओं और जीवन-मूल्यों को सशक्त साहित्यिक अभिव्यक्ति प्रदान करता है। आयोजकों ने साहित्यप्रेमियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों एवं आम नागरिकों से इस साहित्यिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करने की अपील की है।

उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप, कहा- 'चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला : ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला।

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

यूनुस सरकार को चेतावनी : ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली : गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई। उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था।

झुंझुनूं की राजनीति का भोर का तारा : स्मृति शेष महादेव प्रसाद बंका का प्रेरणादायी जीवन

भीम प्रज्ञा सर्च स्टोरी@ विकास आल्हा बगड़।

झुंझुनूं जिले के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल अपने समय के प्रतिनिधि नहीं होते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए विचार, संघर्ष और सेवा की मिसाल बन जाते हैं। ऐसे ही विरले व्यक्तित्व थे स्मृति शेष महादेव प्रसाद बंका, जिन्हें झुंझुनूं जिले में अनुसूचित जाति वर्ग से प्रथम विधायक होने का गौरव प्राप्त है। वे उस दौर में राजनीति के शिखर पर पहुंचे, जब समाज का एक बड़ा वर्ग अधिकार, शिक्षा और सम्मान से वंचित था। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और सामाजिक परिवर्तन की एक जीवंत गाथा है। महादेव प्रसाद बंका का जन्म 1 मार्च 1922 को बगड़ कस्बे में हुआ। उनके पिता कालूराम सामाजिक चेतना से जुड़े साधारण किंतु संस्कारवान व्यक्ति थे। प्रारंभिक जीवन में उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन इन्हीं परिस्थितियों ने उनके व्यक्तित्व को मजबूत बनाया। उनके जीवन को समर्पित भाव से परिभाषित करती पंक्तियां–

'मेरे चलन का ढंग निराला है,
हर गम को खुशी में ढाला है,
जिन हादसों से लोग मरते हैं,
उन हादसों ने मुझे पाला है।'

उनके पूरे जीवन का सार प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने बिरला हाई स्कूल, पिलानी से माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की तथा हिंदी विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से व्यावसायिक शिक्षा (विशारद) पूर्ण की। शिक्षा के साथ-साथ उनमें सामाजिक चेतना का बीज अंकुरित हो चुका था। समाज सेवा और राजनीति में आने से पहले वे भारतीय सेना से भी जुड़े रहे। सेना में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा की भावना ने उनके जीवन को दिशा दी, जिसका प्रभाव उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन में स्पष्ट दिखाई देता है। महादेव प्रसाद बंका का विवाह 3 मई 1936 को नंदनी देवी से हुआ। उनके परिवार में एक पुत्र और पांच पुत्रियां थीं। उस समय जब बेटियों की शिक्षा को बोझ समझा जाता था, उन्होंने अपनी सभी बेटियों को देश की प्रतिष्ठित संस्था बनस्थली विद्यापीठ में शिक्षा दिलवाई। यह अपने आप में ऐतिहासिक कदम था। उनकी बेटियों ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर शिक्षा, प्रशासन और कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। यह उनकी दूरदृष्टि और नारी सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। राजनीतिक जीवन में महादेव प्रसाद बंका का उदय स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक वर्षों में हुआ। वर्ष 1952 से 1957 तक वे पहली राजस्थान विधानसभा के सदस्य बने और 1957 से 1962 तक दूसरी राजस्थान विधानसभा में भी प्रतिनिधित्व किया। वे विधानसभा की याचिका समिति और प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे। इसके अलावा वे नगर पालिका बगड़ के दो बार अध्यक्ष भी निर्वाचित हुए। यह उस समय की बात है, जब अनुसूचित जाति समाज का राजनीति में प्रतिनिधित्व अत्यंत सीमित था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के सदस्य के रूप में राजनीति को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। वे जिला बोर्ड झुंझुनूं, जिला समाज कल्याण बोर्ड और भूतपूर्व सैनिक संस्था के सदस्य भी रहे। राजनीति के साथ-साथ उनका सामाजिक जीवन अत्यंत सक्रिय और प्रभावशाली था। समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान ऐतिहासिक माना जाता है।

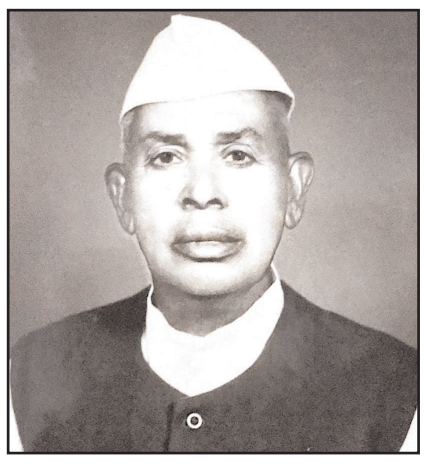

सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पहले विधायक महादेव प्रसाद बांका

अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के लिए पेयजल संकट दूर करने हेतु जिले भर में लगभग 600 कुओं और 50 कुंडों का निर्माण जनसहयोग से करवाया। शिक्षा को सामाजिक उत्थान का सबसे बड़ा हथियार मानते हुए उन्होंने पांच अनुसूचित जाति छात्रावासों के संचालन की प्रेरणा दी, जिससे लगभग 700 विद्यार्थियों को शिक्षा का अवसर मिला। इसके अलावा 10 हाई स्कूल, 21 मिडिल स्कूल तथा अनेक औषधालय और प्राथमिक पाठशालाओं के भवन निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने नाज उपजाऊ आंदोलन के दौरान 100 अनुसूचित जाति परिवारों को राज्य सरकार से जमीन दिलवाने में सहयोग किया। कम से कम एक हजार गरीब परिवारों के मुकदमों की पैरवी कर आपसी समझौते से समाधान कराया। खादी संस्थानों की स्थापना, रात्रि पाठशालाओं का संचालन, मोहल्लों की सफाई, बच्चों में स्वच्छता और शिक्षा के संस्कार विकसित करना–ये सभी उनके दैनिक जीवन का हिस्सा थे।

वे संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा से गहराई से प्रभावित थे। छुआछूत, जातिवाद और भेदभाव के विरुद्ध उन्होंने गांव-गांव जाकर सामाजिक चेतना जगाई। महिलाओं की शिक्षा को उन्होंने सामाजिक क्रांति का आधार माना। मृतक भोज जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महादेव प्रसाद बंका केवल नेता नहीं, बल्कि समाज के संरक्षक थे। उनका अभिरुचि क्षेत्र गरीबों की तन-मन-धन से सेवा करना था। वे देशी खेलों के प्रेमी थे और हास्य रस के नाटकों व लोकगीतों के माध्यम से सामाजिक संदेश देते थे। उनका जीवन सादगी, संघर्ष और सेवा का प्रतीक रहा। 29 दिसंबर 2002 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनका जीवन दर्शन आज भी झुंझुनूं जिले की राजनीति और सामाजिक चेतना को दिशा देता है। वे सच अर्थों में झुंझुनूं की राजनीति का 'भोर का तारा' थे–जिनकी रोशनी ने न केवल अपने समय को, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी मार्ग दिखाया। उनका जीवन यह सिखाता है कि सच्ची राजनीति वही है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और अवसर पहुंचाए।

लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत:7 और लोग भी मारे गए, तुर्किए में उड़ान भरने के 30 मिनट बाद हादसा

अंकारा, एजेंसी। लीबियाई की सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल-हद्दाद की मंगलवार रात तुर्किये में प्लेन क्रैश में मौत हो गई। प्लेन में 8 लोग सवार थे, सभी की मौके पर ही मौत हो गई। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि फाल्कन-50 विमान का मलबा अंकारा के पास हायमाना इलाके में मिला है। विमान में टेकऑफ के 30 मिनट बाद ही तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। यह लीबियाई मिलिट्री डेलिगेशन अंकारा में तुर्किये के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर हाई लेवल बातचीत के लिए आया था और वापस लीबिया लौट रहा था। हादसे में मरने वालों में लीबिया के थल सेना प्रमुख जनरल अल-फितूरी घ्रैबिल, ब्रिगेडियर जनरल महमूद अल-कतावी, चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार मोहम्मद अल-असावी दियाब, सैन्य फोटोग्राफर मोहम्मद ओमर अहमद महजूब और 3 क्रू मेंबर शामिल हैं।

प्लेन ने इमरजेंसी लैंडिंग का मैसेज भेजा था : लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबैबा ने फेसबुक पर बयान जारी कर जनरल अल-हद्दाद और अन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि की और इसे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान बताया। तुर्किये के गृह मंत्री अली यरलीकाया के मुताबिक, विमान लोकल समय के मुताबिक रात करीब 8 बजे अंकारा के एसनबोगा एयरपोर्ट से उड़ा था और कुछ देर बाद संपर्क टूट गया। प्लेन ने हायमाना इलाके के पास आपात लैंडिंग का संकेत भेजा था, लेकिन इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो सका। स्थानीय टीवी चैनलों पर जारी सीसीटीवी फुटेज में रात के आसमान में तेज रोशनी और विस्फोट जैसा दृश्य दिखा। विमान का मलबा अंकारा से करीब 70 किलोमीटर दक्षिण हायमाना जिले के एक गांव के पास मिला। हादसे के बाद अंकारा एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और कई उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर भेजा गया। तुर्किये के न्याय मंत्रालय ने हादसे की जांच के लिए चार अधिकारियों की नियुक्ति की है। वहीं, लीबिया सरकार ने भी जांच में सहयोग के लिए अपनी टीम अंकारा भेजने का फैसला किया है। हायमाना के एक स्थानीय निवासी बुरहान चिचेक ने बताया कि उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई बम फटा हो। तुर्किये की मीडिया में भी ऐसी तस्वीरें दिखाई गई, जिनमें हादसे के समय आसमान में तेज रोशनी नजर आई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com